बर्षः- 06
अंकः- 111
मुरादाबाद
(Monday)
10 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठः पीएम मोदी ने नायकों को किया याद, कहा- उनका साहस प्रेरणा बना रहेगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ के अवसर पर इसमें हिस्सा लेने वाले राष्ट्रनायकों और अमर सेनानियों को याद किया है।

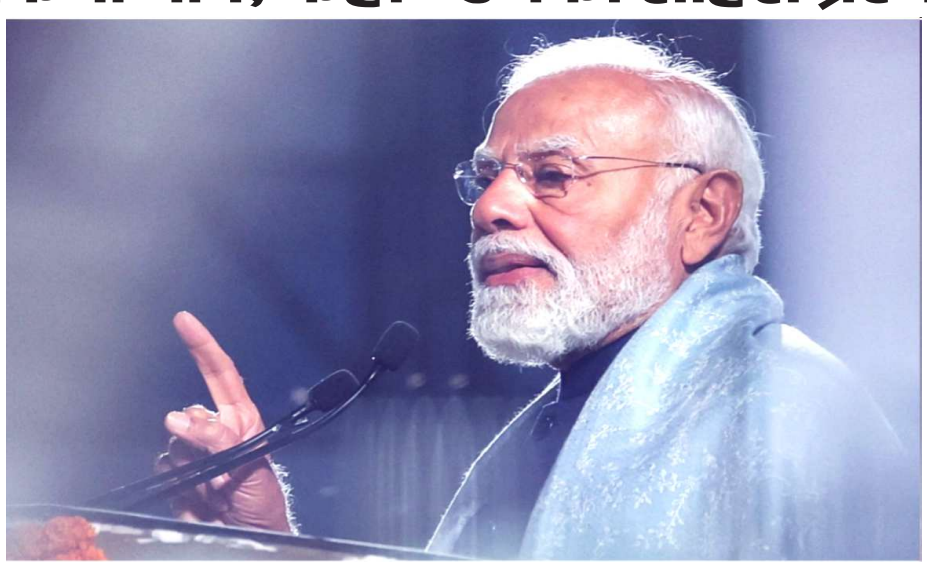

पीएम मोदी ने कहा कि आंदोलन में भाग लेने वालों का साहस हर भारतीय के लिए हमेशा प्रेरणा बना रहेगा। पीएम मोदी ने राष्ट्रनायकों को कैसे याद किया?- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी ने पोस्ट किया, ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले सभी लोगों को याद करते हैं। उनका साहस हर भारतीय के लिए हमेशा प्रेरणा बना रहेगा। महात्मा गांधी के नेतृत्व से प्रेरित होकर भारत छोड़ो के आह्वान ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा का संचार किया और औपनिवेशिक शासन से मुक्त होने के हमारे लोगों के अटूट संकल्प को दर्शाया।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने क्या कहा? लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पोस्ट किया, भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर उन सभी राष्ट्रनायकों और अमर सेनानियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि, जिन्होंने स्वतंत्र भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। महात्मा गांधी का करो या मरो का आह्वान उस दौर में करोड़ों भारतीयों के लिए साहस और संकल्प की आवाज बना।उन्होंने लिखा, इस आंदोलन में असंख्य ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों ने जेल यातनाएं सहीं, संघर्ष किया और अपने प्राणों का बलिदान दिया।

उनका संघर्ष केवल राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए नहीं था, बल्कि एक ऐसे भारत के निर्माण के लिए था, जिसकी नींव सत्य, अहिंसा, लोकतंत्र, समानता और राष्ट्रभक्ति जैसे मूल्यों पर हो। स्वतंत्रता के अमृतकाल में उन महान सेनानियों का स्मरण हमें यह प्रेरणा देता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए हम अपने लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक आदर्शों को निरंतर मजबूत करते रहें। उन्होंने आगे लिखा, अगस्त क्रांति का इतिहास असंख्य गुमनाम योद्धाओं के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान की अमर गाथाओं से समृद्ध है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रसेवा और देशभक्ति के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और उन सभी महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि व सादर नमन, जिनके त्याग, साहस और संघर्ष से स्वतंत्र भारत की नींव सुदृढ़ हुई।

आरक्षण पर सियासतः मायावती बोलीं- क्रीमी लेयर SC-ST के सामाजिक अधिकारों के खिलाफ, RSS के बयान पर जताई आपत्ति

आरक्षण के मुद्दे पर एक बार फिर सियासत गरमा गई है। मायावती ने क्रीमी लेयर को SC-ST के सामाजिक अधिकारों के खिलाफ बताया। RSS के बयान पर आपत्ति जताई।बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आरक्षण के मुद्दे पर कहा कि देश में बहुजन समाज, खासकर एससी-एसटी और ओबीसी वर्गों के लिए आरक्षण केवल आर्थिक लाभ का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, सम्मान और समानता से जुड़ा संवेदनशील मुद्दा है। उन्होंने एससी-एसटी वर्ग को आरक्षण से मिलने वाले लाभ में क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की चर्चा को अनुचित बताया। एक्स पर जारी बयान में मायावती ने कहा कि सदियों से जातिगत भेदभाव, शोषण और सामाजिक उपेक्षा का सामना करने वाले एससी-एसटी समाज के लिए आरक्षण बेहद जरूरी है। जातिगत भेदभाव और अत्याचार आज भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। ऐसे में आरक्षण को केवल आर्थिक स्थिति के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए।आरक्षण का राजनीतिकरण न करने की अपील- मायावती ने आरएसएस प्रमुख के उस कथित बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें आरक्षण के राजनीतिकरण से समाज में कड़वाहट पैदा होने और आरक्षण का लाभ पाने वालों से स्वेच्छा से लाभ छोड़ने की बात कही गई थी। उन्होंने इसे जातिवादी सोच का परिचायक बताया।उन्होंने कहा कि आरक्षण का मूल उद्देश्य सदियों से सामाजिक भेदभाव के शिकार रहे लोगों को संविधान के तहत समानता और सम्मान का अवसर देना है। इसे केवल आर्थिक उन्नति के पैमाने पर नहीं आंका जा सकता, क्योंकि जातिगत भेदभाव का असर समाज और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अब भी दिखाई देता है। सरकार से प्रभावी पैरवी की मांग-मायावती ने कहा कि केंद्र में रही विभिन्न सरकारें भी इस सामाजिक वास्तविकता से परिचित रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि एससी-एसटी समाज को क्रीमी लेयर के दायरे से बाहर रखने के लिए सरकार के पास ठोस संवैधानिक और कानूनी तर्क हैं तो वह अदालत के समक्ष प्रभावी ढंग से अपना पक्ष रखेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार सरकारों की कमजोर कानूनी पैरवी के कारण सामाजिक परिवर्तन और समानता से जुड़े मामलों में अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाते हैं। संविधान के उद्देश्यों के लिए सहयोग करें आरएसएस- बसपा प्रमुख ने आरएसएस से भी आरक्षण के मुद्दे पर राजनीति नहीं करने और इसमें किसी तरह के बदलाव की वकालत से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान का सम्मान करते हुए देश में समतामूलक समाज व्यवस्था स्थापित करने के संवैधानिक उद्देश्यों की पूर्ति में सहयोग किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

मथुरा में छह दिसंबर को होगी कारसेवाः साधु-संतों का एलान- कृष्णा लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे

मथुरा में कारसेवा के लिए राधाकुंड क्षेत्र के जुल्हैंदी स्थित चित्रगुप्त पीठ में हवन यज्ञ किया गया। इसके बाद साधु-संतों की बैठक हुई, जिसमें छह दिसंबर को श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर कारसेवा की घोषणा की गई।मथुरा के राधाकुंड क्षेत्र के जुल्हेंदी स्थित चित्रगुप्त पीठ में रविवार को सुबह से ही पुलिस प्रशासन की नजर टिकी रही। कारसेवा को लेकर सुबह पीठ में हवन पूजन हुआ। हवन पूजन के बाद साधु संतों ने बैठक की। जिसमें छह दिसंबर को श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर कार सेवा की घोषणा की गई। इस दौरान चित्रगुप्त पीठ के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस तैनात रही।राधाकुंड स्थित चित्रगुप्त पीठ में हवन यज्ञ के बाद कृष्णा लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे नारे के साथ साधु संतों ने कारसेवा का शंखनाद किया। साधु संतों ने छह दिसंबर को श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर कार सेवा की घोषणा की है। स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने कहा कि नौ अगस्त को श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर कार सेवा का एलान किया था लेकिन सावन मास में कावड़ यात्रा के चलते कारसेवा स्थगित करनी पड़ी। शंखनाद के दौरान बड़ी संख्या में साधु संत पहुंचे और उन्होंने अपना समर्थन दिया। सेवकों ने विवादित ढांचे को गिराया था। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर निर्माण के इरादे से मंगाए गए गुलाबी पत्थरों की पहली खेप शुक्रवार की देर रात पहुंच गई थी। ये पत्थर भरतपुर स्थित बंसीपहाड़पुर से मंगाए गए हैं। इन्हीं पत्थरों से अयोध्या में श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण किया गया है।

सीएम योगी ने तिरंगा यात्रा का किया शुभारंभ, बोले- ऊर्जा का प्रतीक हमारा युवा

सीएम योगी आदित्यनाथ ने तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि तिरंगा हमारी आन-बान-शान का प्रतीक है। हमारा युवा ऊर्जा का प्रतीक है।राजधानी लखनऊ में रविवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने सरकारी आवास से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह और दोनों डिप्टी सीएम समेत तमाम मंत्री और संगठन के पदाधिकारी हाथों में तिरंगा लेकर निकले। इसमें तमाम जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, स्वयंसेवी संगठन, समाजसेवी संस्थाओं के साथ ही बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं एवं स्थानीय नागरिक भी शामिल हैं। यात्रा शुरू होने से पहले सीएम योगी ने पंकज चौधरी व यात्रा में शामिल लोगों के साथ सेल्फी ली। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि यह मौका बहुत खास है, क्योंकि कुछ ही दिनों में, 15 अगस्त को हम अपने देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने आपको अपने घरों पर तिरंगा फहराने का अधिकार दिया है। ताकि, झंडे के प्रति सम्मान और हर घर तिरंगा के मंत्र को बढ़ावा मिले। झंडा संहिता में बदलाव किए गए ताकि आप इसे अपने घरों पर लगा सकें। उन्होंने कहा कि पहले, कांग्रेस के शासन में घर पर तिरंगा फहराने के लिए लोगों को संघर्ष करना पड़ता था। कोर्ट तक जाना पड़ता था। लेकिन, मोदी ने 140 करोड़ भारतीयों को यह आजादी दी। अब आप हमारे गर्व, सम्मान और गौरव के प्रतीक तिरंगे को अपने घरों पर फहरा सकते हैं।लोकभवन तक जाएगी यात्रा- यात्रा में शामिल सभी लोग हाथों में तिरंगा लेकर मां भारती का जयघोष तथा अमर बलिदानियों को नमन करते हुए तिरंगा यात्रा पर आगे बढ़ें। सीएम आवास से शुरू होने वाली यह यात्रा हजरतगंज स्थित लोकभवन तक जाएगी। 15 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान के तहत प्रदेश के सभी मंडलों में 10, 11 एवं 12 अगस्त को तिरंगा यात्रा निकलेगी।कब-कब होंगे कार्यक्रम- चुनावी तैयारियों के बीच भाजपा ने प्रदेशवासियों में देशभक्ति का भाव जगाने के लिए हर घर तिरंगा-तिरंगा यात्रा अभियान आज से शुरू किया। 13 अगस्त को जिला मुख्यालयों के साथ ही प्रदेश में विभिन्न स्थानों से तिरंगा यात्राएं निकालकर भाजपा राष्ट्र प्रेम का संचार करेगी।14 अगस्त को विभाजन-विभीषिका स्मृति दिवस, मौन जुलूस एवं संगोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। 13 से 15 अगस्त तक प्रत्येक घर, प्रतिष्ठान, व्यापारिक संस्थान एवं कार्यालयों पर राष्ट्रध्वज फहराने के लिए व्यापक जनसम्पर्क एवं जनजागरण किया जाएगा।

खरगे ने की छात्रों की गूंज कैंपेन की सराहनाः बोले- राहुल गांधी ने मुद्दा उठाया, छात्रों को हुआ फायदा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज रुद्रपुर में अहम बैठक की। इसक बाद उन्होंने राहुल गांधी के छात्रों के गूंज कार्यक्रम को लेकर भी बात की।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे उत्तराखंड के दौरे पर हैं। रुद्रपुर में हुई बैठक के बाद उन्होंने रांची में छात्रों की गूंज कैंपेन और जेपीएससी-जेएसएससी स्वयंसेवकों के विरोध-प्रदर्शन पर कहा कि गांधी देश भर में नौकरी चाहने वालों और छात्रों के संघर्षों को उठाने वाले पहले व्यक्ति थे। राहुल गांधी ने ही सबसे पहले यह मुद्दा उठाया था। वह कोटा गए और इससे जुड़े सभी लोगों से मिले। उसके बाद, इस मुद्दे को असली रफ़्तार मिली। छात्रों ने भी अपनी मांगें रखी हैं और अपने हक के लिए लड़ रहे हैं। उन्हें राहुल गांधी के कैंपेन और उनसे मिले प्रोत्साहन से फ़ायदा हुआ है। शनिवार को, गांधी ने छात्रों की गूंज कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज तक बढ़ाया। यह कैंपेन राजस्थान के कोटा में छात्रों की गूंज महा रैली के साथ शुरू हुआ और बाद में देहरादून पहुंचा। प्रयागराज में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में छात्रों की भारी भीड़ को संबोधित करते हुए, गांधी ने बेरोजगारी की गंभीर सच्चाई को उजागर करते हुए कहा, मैं आपको आंकड़े देता हूं। हर 1000 युवाओं में से केवल 12 को ही पक्की नौकरी मिलती है।

इससे पहले, देहरादून में बन्नू स्कूल ग्राउंड में आयोजित कैंपेन के दौरान, गांधी ने आरोप लगाया था कि पिछले दशक में पेपर लीक के कारण लगभग 7.5 करोड़ युवा छात्र प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा था, भारत में परीक्षा के पेपर लीक कराने के लिए हाई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा रहा है। अगर आपके पास करोड़ों रुपये हैं, तो आप ये पेपर इंटरनेट, टेलीग्राम या सिग्नल पर पा सकते हैं। भारत की शिक्षा व्यवस्था का यही हाल है।उन्होंने दावा किया कि पिछले दशक में 152 पेपर लीक हुए हैं और आरोप लगाया कि ऐसे मामलों में दोषी ठहराए जाने की दर शून्य है। गांधी ने कहा था, पिछले दस वर्षों में 152 बार पेपर लीक हुए हैं, यानी औसतन हर महीने एक पेपर लीक हुआ है। फिर भी, सच्चाई यह है कि दोषियों को सज़ा मिलने की दर शून्य है। इन मामलों में एक भी व्यक्ति जेल नहीं गया या उसे सज़ा नहीं मिली। छात्रों की गूंज अभियान परीक्षा के पेपर लीक, कोचिंग फीस, शिक्षा तक पहुंच और रोज़गार के मौकों जैसे मुद्दों पर केंद्रित है।खरगे ने कहा है कि कांग्रेस विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन बिल का विरोध करेगी और सोमवार को विपक्षी पार्टियों के फ्लोर लीडर्स की बैठक में भी इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। कहा कि उनके उत्तराखंड दौरे का मकसद अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरना है। एफसीआरए संशोधन बिल के संसद के मानसून सत्र के आखिरी हफ्ते में लोकसभा में पेश किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम बिल से जुड़े कदम का विरोध करेंगे। हम कल फ्लोर लीडर्स की बैठक के बाद फैसला लेंगे। कई विपक्षी पार्टियों ने एफसीआरए संशोधन बिल का विरोध किया है। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी बिल का पुरज़ोर विरोध करेगी

बिहार के छात्रों के लिए सीएम सम्राट की चार बड़ी घोषणाएं, शिक्षा-परीक्षा व्यवस्था में बदलाव होंगे

बिहार के छात्रों के लिए काम की खबर है। आज मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने छात्रों के लिए बड़ी घोषणाएं की है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था के साथ छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।बिहार में शिक्षा व्यवस्था को अधिक गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को चार महत्वपूर्ण पहल की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से इन फैसलों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक विद्यालय को उत्कृष्टता का केंद्र बनाना और छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष राज्यस्तरीय समिति का गठन किया गया है। यह समिति विद्यालयों में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने और छात्रों के सीखने की क्षमता में लगातार सुधार के लिए जरूरी सुझाव देगी। सरकार का प्रयास है कि राज्य के प्रत्येक विद्यालय को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और सुविधाओं से जोड़ा जा सके। परीक्षा प्रणाली में तकनीक और AI का होगा इस्तेमाल- परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए भी राज्यस्तरीय परीक्षा सुधार समिति बनाई जाएगी। यह समिति बोर्ड परीक्षाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं और कक्षा स्तर पर होने वाले मूल्यांकन को अधिक सुचारु, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के उपाय सुझाएगी। छात्रों के ज्ञान, समझ और विश्लेषण क्षमता के आकलन को बेहतर बनाने के लिए तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ) के इस्तेमाल पर भी सुझाव दिए जाएंगे।शिक्षा व्यवस्था से जुड़े छात्रों के सुझाव और समस्याएं जानने के लिए विशेष सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद और विधायक छात्रों के साथ सीधे संवाद करेंगे। आवश्यक सुधार करने में मदद मिलेगी।मुख्यमंत्री ने छात्र कल्याण से जुड़ा एक और बड़ा फैसला बताया। छात्रों के हित में चलने वाली योजनाओं और कार्यों के बेहतर समन्वय तथा प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों में निदेशालय का गठन किया जाएगा।

संपादकीय Editorial

The Meaning of the PM's Apology

Prime Minister Modi has forgiven the children, students, and youth who hurled vulgar abuses at him and his late mother. The Prime Minister has forgiven the children based on the "principle of forgiveness" of Jesus Christ and Mahatma Buddha. He is confident that they will come to their senses. In a video message, the Prime Minister said, "I understand their anger. Some mischievous children have hurled these abuses. They have gone astray. It is our job to bring them back to the right path. Such mistakes happen in childhood because children do not know their conscience. The kind of language used by some daughters is a cultural shock to me. Yet, punishing children, making them run to courts, and harassing them will not change the situation." However, Prime Minister Modi forgave the abusive youth because he had sensed the "gen-ji" mood in the country. However, these abusive youth are not representative of the "Gen-G" as a whole, nor do the youth of the country accept or recognize them as their representatives. Not all of the youth who demonstrated at Delhi's Jantar Mantar were truly "Gen-G" members. The police have identified and identified 2,873 criminally accused individuals among them. Among that crowd were cadres sent by the Samajwadi Party, AAP, Chandrashekhar Azad's party, and the Left parties. Will the Prime Minister also forgive those who plotted to behead policemen and enter Parliament by hook or by crook? Some students and children have apologized to the Prime Minister with folded hands, expressing shame for their abusive, obscene, and indecent language. Some figures from the "Cockroach Party" are rejecting the Prime Minister's apology. They argue that 50% of MPs face serious criminal charges. The BJP also has leaders who behave worse than abusively and have criminal backgrounds. We want to clarify for our readers that Article 19 of the Constitution mentions "freedom of expression," but it is not absolute or unlimited, as Article 19 (2) provides that certain restrictions are imposed on freedom of expression. For example, abusing the Prime Minister or anyone else in this manner is not freedom of expression. "Cockroach" spokesperson Saurav Das does not even consider these abuses a crime. Many party leaders, including the Congress President, have repeatedly used over 100 abusive words against Prime Minister Modi. What kind of democracy is this? Is there even freedom to abuse in a democracy? The Prime Minister is the elected leader of the country, not a position he has occupied. What justifies abusing his policies, programs, and the entire government, or conducting peaceful protests? That only tarnishes one's own character. Even the Leader of the Opposition in the Lok Sabha, Rahul Gandhi, has been using "objectionable" words against the Prime Minister. Who can explain this to him? He himself holds a responsible, constitutional position. However, on the Prime Minister's unspoken instructions, the state governments and police have withdrawn or decided to withdraw FIRs and criminal cases against the protesting youth. Prime Minister Modi has announced pardons for the young people because he is the country's first executive head, an elderly man, holds constitutional powers, and as a politician, cannot risk angering more than 65 percent of the country's population. We also want to emphasize that the human rights, constitutional rights, and civil rights of students, youth, and police and security personnel and officers are the same. The fact that young people have been injured is also concerning and condemnable. Security personnel have received stitches on their heads, and many have narrowly escaped, which is also evidence of anarchy.

The Silence of Waldhuni: The Impact of Urbanization on Biodiversity and the River's Natural History

This article highlights the rich ecosystem and bird diversity of Kalyan's historic Waldhuni River, and highlights its severe pollution caused by textile industries, illegal construction, and urbanization, and the need for conservation. In 2022, we purchased a house in Chinchpada, Kalyan (East), seeking a quieter, larger home outside the city of Mumbai, and a peaceful environment for my parents after retirement.

After moving there, my natural inclination and interest led me to venture out daily to birdwatch. One such day, during a walk, in this city rapidly transforming into a concrete jungle and a teeming with high-rise buildings, I spotted a small stream just 15 minutes from my home, which later grew larger, winding its way through lush green fields. This was my first encounter with the Waldhuni River, which flows through the boundaries of Chinchpada, Nandivali, and Manere villages in Kalyan. From 2022 to the time I am writing this article, I have experienced its various forms countless times. Kalyan is not only one of the most popular suburban cities near Mumbai, but also has a long history spanning over 2,000 years. The city is well documented in the first-century Greek manuscript, "Periplus of the Erythraean Sea." But beyond this historical document, one of my favorite places for birding and morning walks is the banks of the Waldhuni River, a hidden treasure of natural history. The approximately 33 km long Waldhuni River is a tributary of the Ulhas River, originating in the Kakola Hills near the town of Ambarnath. This river supports a diverse range of flora and fauna. So far, I have recorded approximately 23 bird species here. Some of these species serve as indicators of the natural environment and the river's condition. The large number of birds living near human settlements, such as the crow, common myna, and pigeon, reflect the increasing impact of urbanization. However, the presence of aquatic birds like the Karchia heron, water fowl, and green sandpiper, indicates that the river's ecosystem is still somewhat viable and providing habitat for a variety of creatures. Species like the Red Munia and Yellow-eyed Babbler underline the importance of the natural grasslands along the river banks. In short, this biological diversity is an important ecological indicator highlighting the urgent need for river conservation.

"Jeans" are a favorite clothing item of today's generation, and almost everyone owns them. But when we use these inexpensive jeans available across the country,

we often have no idea about their origin and manufacturing process. If we walk along the banks of the Waldhuni River from its source to the Kalyan Creek, we will see numerous small-scale industries and factories that dye used clothes and jeans in particular. This river, which overflows during the monsoon, often flows as colorful or pitch-black streams due to the dyes.

Many industries in the MIDC areas of cities like Ambernath, Ulhasnagar, Kalyan, and Shahad discharge their polluted wastewater into this river. According to a 2011 research paper by Bela M. Nabar and other researchers, the river's water has high levels of BOD (Biological Oxygen Demand) and COD (Chemical Oxygen Demand). The water level has been found to be much higher than safe standards. Furthermore, due to the filling of the river bed and illegal construction on its banks, a large amount of human waste and sewage is being directly discharged into it. This is why the river has also experienced high levels of bacteria like E.

coli, making the water extremely hazardous to health. So far, you've read about the river's origin, the activities around it, the pollution, and the variety of birds I observed in it. Now the question is, what's next?

In the name of progress and development, our villages and cities are becoming "smart." By laying concrete and paver blocks everywhere, we have virtually destroyed the natural soil layer of the land. Open spaces in cities and villages are now being used only for building high-rise buildings. The river has become like a drain and gutter. But if, as humans, we break our connection with nature with increasing development, can we truly preserve this river for happiness, joy, and energy? Can you keep it?

I'm attaching some photographs to this article, showing how the lush green paddy and vegetable fields along the riverbanks look delightful in the winter fog. There's a developed wetland area along this riverbank, where plastic is strewn along with beautiful water sources. Also, near the riverbed are beautiful small ponds covered with lotus-like vegetation. And finally, the Waldhuni River, carrying its rapidly flowing, dark waters during the monsoon.

Along with food safety, packaging also needs a focus; questions raised about misleading claims and regulations.

Despite claims of purity and awareness campaigns, consumers are unable to distinguish between good and bad food. Now, facts related to packaging are also raising concerns. The FSSAI, the government organization responsible for food safety in the country, recently suddenly realized that food products and ingredients were not being sold properly, both in retail and wholesale. It's not that there are no regulations in place, but they have barely made any progress towards implementation.

Every time a new head or chief executive is appointed to the organization, a campaign is launched with great enthusiasm, but after a few days, the enthusiasm wanes and the situation returns to normal. These campaigns often target adulterated food and those selling food in the open. Numerous fundamental questions remain unanswered, including packaging, display, ingredients, cooking processes, and the disclosure of expired goods. In this regard, new orders and guidelines were issued, signaling strict action against the use of newsprint, staple pins, pins, and wire. However, this strictness did not last long, and food sales returned to their previous patterns. In reality, this strictness was merely a temporary reaction to a specific incident and lacked concrete and comprehensive implementation. The circular should have revealed the root cause of the defect, its health effects, and suggested cheaper alternatives.

Similarly, the harm caused by pinning packages during sale was not detailed. Serving food on paper printed with non-food-safe ink can cause toxic chemicals to enter the body, damaging various organs and systems. The wires or pins used to seal envelopes can cause injuries by pricking during opening, and there is also the risk that, due to their microscopic nature, they can enter the body along with the food, causing serious harm. Many establishments also use tape, stickers, and adhesives to seal packages. Traces of all these can reach the food through the hands or other sources, causing harm. According to established standards, any food product or ingredient can only be sold in paper or packaging printed with food-grade ink, which costs more than conventional ink. Secondly, it is impossible for the average consumer to determine whether the ink is edible. The current regulations provide for financial penalties that do not adversely affect the future of producers and sellers.

Recently, numerous cases of misleading packaged food have been reported. Packaged foods labeled as organic, maize-free, or containing 100% wheat flour have been found to be ubiquitous. Nowadays, especially health-conscious youth are often influenced by attractive claims and packaging without even reading the ingredient list. Such misleading and unsubstantiated claims are legally prohibited, but due to a lack of consumer awareness, these claims persist. Generally, the English and fine print on food packaging are often incomprehensible to ordinary consumers. In this regard, regulations should mandate manufacturers to print in the local language and in a legible format. Printing instructions should also prominently highlight potential allergens and health effects of the product; otherwise, they will simply be relegated to a corner for formality. Provisions regarding the quality of food and ingredients, as well as their packaging, distribution, and sale, should be so strict and prompt that no establishment or individual involved dares to lax. Food and ingredients are directly linked to the health and lives of the public. Therefore, those compromising food safety should be prosecuted under criminal law, and those found guilty should be completely disqualified from future occupations.

FSSAI
FOOD SAFETY AND STANDARDS AUTHORITY OF INDIA
Inspiring Trust, Assuring Safe & Nutritious Food

हर-हर महादेव के उद्घोष के बीच भगवा रंग में रंगे कांवड़ मार्ग

मुरादाबाद की सड़कों पर उमड़े शिवभक्त, बम-बम भोले के जयकारे लगाते बढ़ रहे जत्थे

दस अगस्त को सावन महीने का दूसरा सोमवार है। इस दिन गंगाजल से कांवड़िये और अन्य शिवभक्त अपने आराध्य भोलेनाथ का अभिषेक कर पूजा अर्चना करेंगे। इसके चलते शनिवार को दिल्ली और मुरादाबाद-कांठ-हरिद्वार कांवड़ मार्ग पर हर ओर कांवड़ियों की बड़ी संख्या दिख रही है। सावन के दूसरे सोमवार को जलाभिषेक के लिए दिल्ली और हरिद्वार मार्ग पर शिवभक्त कांवड़िये हरिद्वार और बृजघाट से गंगाजल भरकर तेजी से अपने गंतव्य की ओर लौट रहे हैं। इसमें मुरादाबाद के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा रामपुर तथा बरेली जिले के कांवड़िये भी शामिल हैं। हर ओर बोलबम, हर-हर महादेव का जयघोष गूंज रहा है। हाईवे पर भगवा रंग में कांवडिये ही दिख रहे हैं। कांवडियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए हाईवे पर भारी वाहनों को पूरी तरह रोक दिया गया है, तो शहर के अंदरूनी रास्तों पर भी रूट डायवर्ट कर वाहन चलाए जा रहे हैं। भोले की भक्ति -दस अगस्त को सावन महीने का दूसरा सोमवार है। इस दिन गंगाजल से कांवड़िये और अन्य शिवभक्त अपने आराध्य भोलेनाथ का अभिषेक कर पूजा अर्चना करेंगे। इसके चलते शनिवार को दिल्ली और मुरादाबाद-कांठ-हरिद्वार कांवड़ मार्ग पर हर ओर कांवड़ियों की बड़ी संख्या दिख रही है। कंधे पर कांवड़ लिए जुबां पर भोले की भक्ति का जयघोष करते हुए शिवभक्त कांवड़िये तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। सावन के दूसरे सोमवार को वह घर के समीप के शिवालयों में आस्था के जल से भोलेनाथ का अभिषेक करेंगे।बदले गए वाहनों के रूट-कांवडियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए हाईवे पर भारी वाहनों को पूरी तरह रोक दिया गया है, तो शहर के अंदरूनी रास्तों को भी रुट डायवर्ट कर वाहन चलाए जा रहे हैं। मुरादाबाद-कांठ-हरिद्वार मार्ग पर बड़े वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित होने से इमरजेंसी सेवाओं पर भी असर पड़ रहा है। एंबुलेंस, स्कूली वाहनों के अलावा दुग्ध वाहन आदि को भी नहीं सुगम रास्ता नहीं मिल रहा है। मनमानी से परेशान आमजन - रास्ते पर डायवर्जन से लोगों को हाईवे से सटी कालोनियों में जाने के लिए लंबा चक्कर लगाकर आना जाना पड़ रहा है। पुलिसकर्मियों की मनमानी यह है कि एंबुलेंस और स्कूलों के वाहन को भी सहूलियत नहीं दे रहे हैं। जिससे लोगों को असुविधा और असुरक्षा महसूस हो रही है। नर्सिंग होम में मरीजों को लेकर आने वाले एंबुलेंस चालक भी बैरिकेडिंग के चलते इधर-उधर भटक रहे हैं। दुग्ध वाहनों को भी रोका टोका जा रहा है, जिससे कई बाजारों में दुग्ध - इसका भी करें समाधान - भंडार पर समय से दूध न पहुंचने से ग्राहकों को लौटना पड़ रहा है। इससे दुकानदारों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है। गैस सिलेंडर लेकर आने वाली गाड़ियों को भी बैरिकेडिंग के चलते भटकना पड़ रहा है। इससे घरों में आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी व्यवस्था बनाने के लिए पसीना बहाकर भागदौड़ कर रहे हैं। नगर निगम की ओर कांवड़ियों की सेवा के लिए कांठ रोड पर सेवा शिविर लगाया गया है। जहां उन्हें शुद्ध पेयजल और फल वितरित करने के साथ ही कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा भी की जा रही है। अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार सिंह आदि शिविर में मौजूद रहकर स्वयं कांवड़ियों की सेवा कर रहे हैं।

मुरादाबाद में बंदर पकड़ने गई टीमों में ही भयंकर महाभारत: वन विभाग और नगर निगम आपस में भिड़े, खाली हाथ लौटे

मुरादाबाद में बंदरों के आतंक से निपटने गई वन विभाग और नगर निगम की टीमें आपस में जिम्मेदारी को लेकर भिड़ गईं, और बिना किसी कार्रवाई के खाली हाथ लौट आईं। जिलाधिकारी के निर्देश पर पहुंची इन टीमों के पास बंदरों को पकड़ने के लिए आवश्यक संसाधनों का अभाव था।जिलाधिकारी के निर्देश पर मोरा मिलक में बिना संसाधन पहुंचीं वन विभाग व नगर निगम की टीम-टीमों में संसाधनों को लेकर हुई नोकझोंक, लोग बोले-विभाग तय नहीं कर पा रहे तो हमारी कौन सुनेमोरा की मिलक में बंदरों के आतंक के बीच शनिवार को जिलाधिकारी के निर्देश पर वन विभाग और नगर निगम की टीमें बंदरों को पकड़ने पहुंचीं, लेकिन मौके पर दोनों विभागों के बीच बंदर पकड़ने की जिम्मेदारी को लेकर ही विवाद खड़ा हो गया। नगर निगम की टीम ने वन रेंजर पुष्पेंद्र से कहा कि बंदरों को ट्रेंकुलाइज करने की सुविधा वन विभाग के पास है, इसलिए बंदरों को ट्रेंकुलाइज किया जाए, जबकि वन विभाग की ओर से कहा गया

कि बंदर पकड़ने की व्यवस्था नगर निगम करे, वन विभाग सहयोग करेगा। वन विभाग की ओर से बंद रेंजर पुष्पेंद्र के साथ दो दरोगा मौके पर पहुंचे थे। वहीं नगर निगम की टीम अमान शाहिद के नेतृत्व में पहुंची। नगर निगम की टीम अपने साथ कुत्ते पकड़ने वाली टीम और वाहन भी लेकर पहुंची थी, उनके पास पास बंदर पकड़ने की तकनीक न होने पर वन विभाग से ट्रैंकुलाइज करने को कहा लेकिन, वन विभाग की टीम मोरा मिलक में खाली हाथ पहुंच गई, ट्रैंकुलाइज की सुविधा नहीं थी। जिस पर नगर निगम की टीम बोली कि हिंसक बंदर बिना ट्रैंकुलाइज किए नहीं पकड़ा जा सकता। जिलाधिकारी की बैठक में ट्रैंकुलाइज करके बंदर को पकड़ने के निर्देश दिए गए थे।नगर निगम की टीम कुत्तों को पकड़ने वाली टीम व वाहन के साथ गई थी। लेकिन प्रशिक्षित टीम न होने के कारण वह भी वापस लौट गई। लिहाजा पहले दिन वन विभाग व नगर निगम की टीमें पहुंची जरूर लेकिन, बिना तैयारी के पहुंचने पर भिड़ गए। कुछ प्रयास जरूर निगम की टीम ने किया और कब्रिस्तान और आसपास के खेतों में बंदरों की तलाश की, लेकिन बंदर नहीं मिले। क्षेत्र में एक सप्ताह में 20 लोगों को काटने पर ग्रामीण चंदन रैदास,हरज्ञान सिंह प्रधान, इंद्रपाल सिंह, राजवीर सिंह, रोहित, शोभित, सचिन सिंह, अभिषेक सिंह, विशाल सिंह, संजीव गौतम, पंकज सागर, सौ सिंह, नरेश कर्मचंद, राकेश, राम सिंह, खेम सिंह ने समस्या बताई। नगर विधायक ने भी डीएम को लिखा पत्र- भाजपा से नगर विधायक रितेश गुप्ता ने भी बंदरों के आतंक से निजात दिलाने के लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखा था।

उन्होंने कहा कि परंपरा, आशियाना, रामगंगा विहार, मोरा की मिलक, दाऊ दयाल खन्ना नगर, प्रकाश एन्क्लेव, मैनाठेर, केजीके कालेज के आसपास, समेत पूरे शहर में बंदरों का आतंक है। उन्होंने बंदर पकड़ने को निर्देश देने पत्र में कहा। बच्चे की मौत की अफवाह भी फैली- किसी ने जिलाधिकारी को सूचना दी कि मोरा की मिलक में बंदर के काटने से एक बच्चे की मौत हो गई है। जिस पर उन्होंने एसडीएम व तहसीलदार को मौके पर भेजा। लेकिन, एसडीएम व तहसीलदार के मोरा मिलक पहुंचने पर मौत की सूचना अफवाह मिली। जिलाधिकारी राजेंद्र सिंह पैंसिया ने इस घटना से मोरा मिलक में कोई मतलब होने से इंकार किया है।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना 2.0: अब 25 ट्रेड के कारीगरों को मिलेगा 10 लाख का ब्याज मुक्त लोन और ट्रेनिंग

यह योजना पारंपरिक और आधुनिक हुनरमंदों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर उनकी आजीविका को मजबूत करेगी, जिसमें 10 दिन का मुफ्त प्रशिक्षण और ?15,000 की टूलकिट भी शामिल है।योजना में अब कुल 25 ट्रेड के कारीगर शामिल 10 लाख तक ब्याज मुक्त ऋण, 15त्न सब्सिडी उपलब्ध- प्रशिक्षण में ?500 दैनिक मानदेय, मुफ्त टूलकिटप्रदेश के पारंपरिक कारीगरों और नए दौर के हुनरमंदों को कारोबार बढ़ाने के लिए अब और बड़ा सहारा मिलेगा। शासन ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना को विस्तार देते हुए विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना 2.0 लागू कर दी है। इसमें पहले के 11 पारंपरिक ट्रेड के साथ पांच नए पारंपरिक और नौ आधुनिक ट्रेड शामिल किए गए हैं। अब कुल 25 ट्रेड के कारीगर योजना का लाभ ले सकेंगे। प्रमुख सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम शशि भूषण लाल सुशील ने छह अगस्त को शासनादेश जारी किया है। योजना का उद्देश्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के स्थानीय दस्तकारों तथा पारंपरिक कारीगरों की आजीविका मजबूत करना और उन्हें स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। 10 दिन का मुफ्त प्रशिक्षण, रोजाना 500 रुपये मानदेय योजना में दर्जी, बढ़ई, कुम्हार, लोहार, नाई, राजमिस्त्री, सुनार, टोकरी बुनकर, हलवाई, मोची और धोबी जैसे पारंपरिक ट्रेड पहले से शामिल हैं। नए ट्रेड में मूर्तिकार, मालाकार, दूधवाला, भरभूजा और मछुआरा शामिल किए गए हैं। इसके अलावा ऑटोमोबाइल मरम्मत, मोबाइल मरम्मत, इलेक्ट्रॉनिक सामान की मरम्मत, विद्युत सामान की मरम्मत, प्लम्बर, कंप्यूटर मरम्मत, सोलर इंस्टालेशन, डिजिटल फोटोग्राफी तथा सौंदर्य एवं वेलनेस जैसे आधुनिक ट्रेड को भी योजना में जोड़ा गया है।10 लाख तक बिना गारंटी और ब्याज ऋण की सुविधा- कारीगरों को बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद और सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 10 दिवसीय निश्शुल्क कौशल उन्नयन प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहले प्रशिक्षण के दौरान मिलने वाला 450 रुपये प्रतिदिन का मानदेय बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है। यानी 10 दिन में प्रत्येक प्रशिक्षु को पांच हजार रुपये मानदेय सीधे खाते में दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद 15 हजार रुपये तक की उन्नत टूलकिट भी निश्शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।10 लाख तक ऋण, 15 प्रतिशत सब्सिडी- कारीगरों को कारोबार शुरू करने, विस्तार करने, तकनीकी उन्नयन, गुणवत्ता सुधार और पैकेजिंग आदि के लिए 10 लाख रुपये तक का ऋण मिलेगा। इस पर 15 प्रतिशत मार्जिन मनी सब्सिडी और बिना ब्याज की सुविधा का प्रावधान किया गया है। सामान्य श्रेणी के पुरुष लाभार्थियों को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत तथा महिलाओं, अन्य श्रेणियों, थर्ड जेंडर, दिव्यांगजन और पूर्व सैनिकों को पांच प्रतिशत अंशदान स्वयं जमा करना होगा।54 किश्तों में चुकाना होगा लोन- ऋण आवेदन पर विभाग तीन कार्यदिवस में निर्णय लेकर उसे बैंक भेजेगा। बैंक को 15 दिन में स्वीकृति या अस्वीकृति का निर्णय करना होगा और स्वीकृति के बाद अधिकतम 15 दिन में ऋण वितरित करना होगा। ऋण मिलने के बाद छह माह की स्थगन अवधि होगी। इसके बाद अधिकतम 54 मासिक किस्तों में ऋण चुकाना होगा।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में बिजली चोरी पकड़ने गई टीम और पुलिस पर फायरिंग, दौड़ा-दौड़ाकर पीटा; वर्दी फाड़ी

मुरादाबाद के खेरखाता गांव में बिजली चोरी रोकने गई टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया, जिसमें पुलिसकर्मी भी घायल हुए और उनकी वर्दी फाड़ दी गई।

आरोपियों ने टीम पर फायरिंग भी की, जिसके बाद दो महिला समेत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।भगतपुर क्षेत्र के गांव खेरखाता में जेई के साथ बिजली चेकिंग करने गई टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस कर्मियों के साथ भी हाथापाई की और वर्दी फाड़ दी। आरोपितों ने पुलिस और बिजली विभाग की टीम पर फायरिंग भी कर दी। पुलिस ने दो महिला समेत चार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। सरकंडा स्थित विद्युत उपकेंद्र पर तैनात जेई राजेश कुमार कुछ जानकारी मिली कि गांव खेरखाता में बिजली चोरी की जा रही है। सूचना पर शुक्रवार की शाम बिजली विभाग की टीम पहुंच गई। टीम ने चेकिंग करनी शुरू की तो गांव के ही भोपाल सिंह ने अन्य लोगों के साथ मिलकर चेकिंग का विरोध करना शुरू कर दिया। इसी बात को लेकर हंगामा हो गया। ग्रामीणों ने बिजली विभाग की टीम पर हमला बोल दिया। उनके साथ मारपीट की गई। सूचना भगतपुर पुलिस को दी गई। मानपुर पुलिस चौकी से प्रभारी जयवीर सिंह व हेड कांस्टेबल अमित भाटी मौके पर पहुंचे तो ग्रामीणों ने पुलिस को भी नहीं छोड़ा।उनके साथ भी मारपीट की और एक ग्रामीण ने तो तमंचे से पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जेई के शिकायती पत्र पर भोपाल सिंह उनकी पत्नी, शक्ति सिंह और उनकी पत्नी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

यूपी पुलिस में बड़ा बदलाव: पहली बार सिविल सेवा अफसरों संग ट्रेनिंग लेंगे 17 नए DySP, बदल गए नियम

उत्तर प्रदेश में 17 नए डिप्टी एसपी का प्रशिक्षण अब 22 माह का होगा, जिसमें पहली बार वे सिविल सेवा अधिकारियों के साथ समन्वय प्रशिक्षण लेंगे। इसके साथ ही, यूपी पुलिस के दारोगाओं को अब क्रिप्टो करेंसी मामलों की जांच का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जो उनके पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी में 16 अगस्त से 17 डिप्टी एसपी का प्रशिक्षण शुरू होगा। राज्य भर में तैनात होने वाले इन पुलिस अधिकारियों को पहली बार लखनऊ उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी में भेजा जाएगा। जहां पर सिविल सेवा के अधिकारियों के साथ दो माह का समन्वय प्रशिक्षण होगा, जिससे नाम के अनुरूप ही पुलिस-प्रशासन के बीच समन्वय के गुर सीखे जा सकें। इसके अलावा हर बार की तरह अकादमी में 13 माह का प्रशिक्षण व छह महीने की फील्ड ट्रेनिंग होगी। इसके बाद दोबारा एक माह का फाइनल प्रशिक्षण लेंगे। जिसके बाद इनकी मुख्यालय से तैनाती होगी। डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी मुरादाबाद में डिप्टी एसपी प्रशिक्षण लेते हैं। बीते करीब दस साल से डिप्टी एसपी का प्रशिक्षण करीब 18 माह का होता था, लेकिन डीजी ट्रेनिंग राजीव सभरवाल ने इसमें परिवर्तन किया है। अब डिप्टी एसपी का प्रशिक्षण 22 माह का होगा। इसमें दो माह का प्रशिक्षण लखनऊ उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी में होगा।इस अकादमी में पुलिस के अन्य विभागों से पीपीएस अधिकारी प्रशिक्षण लेते हैं। मुरादाबाद अकादमी में 16 अगस्त को 17 डिप्टी एसपी प्रशिक्षण लेने के लिए आ रहे हैं। इन सभी डिप्टी एसपी को 22 अगस्त को लखनऊ उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी में भेजा जाएगा। वहां पर अन्य विभागों के पीपीएस अधिकारी भी प्रशिक्षण ले रहे हैं। उनके साथ में यह दो माह तक समन्वय प्रशिक्षण लेंगे। अधिकारियों का मानना है कि जब डिप्टी एसपी और पीपीएस अधिकारियों का प्रशिक्षण पूर्ण होगा और यह फील्ड में तैनात होंगे तो इसका लाभ इन्हें वहां मिलेगा। ऐसा इसलिए कि पहले ही जब समन्वय बना होगा तो फील्ड में दिक्कत नहीं होगी। वहां पर प्रशिक्षण लेने के बाद यह वापस मुरादाबाद आएंगे। जहां पर 13 माह का प्रशिक्षण होगा और बाद में छह माह के लिए फील्ड में भेज दिया जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मुरादाबाद में मजालिस-ए-अज़ा व शब्बेदारी का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /सिकंदर रज़ा/ मुरादाबाद। इमाम-ए-महदी यूथ मिशन (रजि.), आज़ाद नगर, मुरादाबाद की ओर 24 सफ़र उल मुज़फ़्फ़र 1448 हि. मुताबिक 8 अगस्त 2026 को इमाम बारगाह मोहम्मदिया हॉल, आज़ाद नगर में 12वें दौर की मजालिस-ए-अज़ा व शब्बेदारी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अज़ादारों ने शिरकत की।

कार्यक्रम का आग़ाज़ जनाब खावर रज़ा साहब व हमनवा, सिरसी द्वारा मरसिया पेश करने से हुआ। इसके बाद मौलाना अली हैदर नूरी ने मजलिस को ख़िताब किया। उन्होंने करबला, शहादत-ए-इमाम हुसैन (अ.स.) तथा अहले-बैत (अ.स.) की सीरत और पैग़ाम पर रोशनी डाली।

कार्यक्रम की संचालन व निज़ामत जनाब शरफ़ सिरसवी ने की। इसके बाद मुक़ामी व बेहरूनी अंजुमनों ने नौहाख़्वानी एवं सीना ज़नी पेश की। इस दौरान मशहूर नौहाख़्वान जनाब खुर्रम वसीम ज़ैदी, मुज़फ़्फ़रनगर तथा जनाब अरशी अब्दी, नौहाख़्वान, नौगावां सादात ने भी पुरसोज़ नौहाख़्वानी पेश की।नौहाख़्वानी व सीना ज़नी पेश करने वाली अंजुमनों में अंजुमन अली इब्न अबी तालिब, मुरादाबाद, अंजुमन नजफ़-ए-हैदरी, जोगीपुर, अंजुमन पंजतनी, सिरसी सादात, अंजुमन गुंचा-ए-पंजतनी, शेरकोट तथा अंजुमन ग़ुलामाने हुसैनी (रजि.), रामपुर शामिल रहीं। नौहाख़्वानी और सीना ज़नी के दौरान इमाम हुसैन (अ.स.) और शहीदाने करबला की याद में माहौल ग़मगीन हो गया। अज़ादारों ने पुरसोज़ नौहों पर सीना ज़नी कर अपनी अकीदत पेश की।

इस दौरान मोहम्मदिया हॉल के सेक्रेटरी हाजी डॉ. क़यामत रज़ा, इमाम-ए-महदी यूथ मिशन के सदर हसन ज़ैदी एडवोकेट, सेक्रेटरी वसी अब्बास नक़वी, अब्बास हैदर, हसन अब्बास, सलमान बाक़री, क़मर अब्बास, नाज़िश, दानिश, ज़ैन, ज़मीर बाक़री, मासूम रज़ा, हसन अब्दी, मोहम्मद अली, कलाम हसनैन, शजर, शावाब अस्करी, आबिद, हुसैन व सलीम आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन इमाम-ए-महदी यूथ मिशन (रजि.), आज़ाद नगर, मुरादाबाद द्वारा किया गया।

कांवड़ सेवा शिविर पहुंचीं महिला आयोग सदस्य पुष्पा पांडे, बालिका कांवड़ियों का किया सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । आंवला तहसील क्षेत्र के भमोरा स्थित कांवड़ सेवा शिविर में रविवार को महिला आयोग सदस्य पुष्पा पांडे पहुंचीं। उन्होंने शिविर का निरीक्षण कर बालिका कांवड़ियों और कांवड़ यात्रियों से संवाद किया तथा उनका सम्मान कर उत्साहवर्धन किया। महिला आयोग सदस्य ने महिला कांवड़ियों के लिए की गई विश्राम, पेयजल, स्वच्छता, शौचालय, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाओं का मौके पर जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों और शिविर संचालकों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा कि महिला एवं बालिका कांवड़ियों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। इस दौरान उन्होंने कांवड़ यात्रियों से भी बातचीत कर यात्रा मार्ग में मिल रही सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। कांवड़ यात्रियों ने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और सेवा-सुविधाओं के लिए किए गए इंतजामों की सराहना की। पुष्पा पांडे ने कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से किए जा रहे व्यापक प्रबंधों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि महिला और बालिका कांवड़ियों की सुरक्षा, सुविधा और सम्मान को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और सेवा शिविर संचालकों से अपील की कि कांवड़ यात्रियों के लिए सेवा एवं सहायता की भावना के साथ व्यवस्थाएं लगातार सुचारू रखी जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, सेवा शिविर के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कांवड़ यात्री मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात वाहन की टक्कर से कांवड़िया घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली, मीरगंज। हाईवे पर शुक्रवार की रात पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन ने हरिद्वार जा रहे कांवड़ियों की बाइक में टक्कर मार दी। इससे अभिषेक कश्यप व सनी शर्मा निवासी हरदोई गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए बरेली भेज दिया। पुलिस ने घायलों के परिजनों को सूचना दी। दोनों कांवड़िए हरदोई से रात में कांवड़ देने बाइक से हरिद्वार जा रहे थे।

बंद फाटक का बैरियर तोड़ ट्रैक पर पहुंचा ट्रैक्टर, एक्सप्रेस ट्रेन से हुई टक्कर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। भोजीपुरा थाना क्षेत्र में रविवार को बड़ा रेल हादसा होते-होते बच गया। बंद रेलवे फाटक का बैरियर तोड़कर एक ट्रैक्टर रेलवे ट्रैक पर जा पहुंचा, इसी दौरान उसकी एक्सप्रेस ट्रेन से टक्कर हो गई। ट्रैक पर ट्रैक्टर देख रेलवे कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि समय रहते ट्रेन को नियंत्रित कर लिया गया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। सूचना पर रेलवे और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू कर दी गई है।

गश खाकर गिरे किसान नेता की मौत का पोस्टमार्टम में भी नहीं खुला राज, रहस्य बरकरार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बहेड़ी में भारतीय किसान यूनियन (महात्मा टिकैत) के प्रदेश महासचिव तराई, 27 वर्षीय शोएब की मौत पर रहस्य बरकरार है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी यह साफ नहीं हुआ कि शोएब की मौत कैसे हुई। शोएब अपने तीन साथियों के साथ अचानक बेहोश हो गए थे। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। मूलरूप से शेरनगर के निवास शोएब अपने साथी नदीम खान और नदीम मंसूरी के साथ थे। गुरुवार की रात अचानक से तीनों की तबीयत बिगड़ गई। बताते हैं कि तीनों चक्कर खाकर गिर पड़े और बेहोश गए। बेहोशी की हालत में ही उन्हें अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने बरेली रेफर कर दिया। बरेली में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान शोएब की मौत हो गई। जबकि उनके दोनों साथियों की हालत स्थिर है। पुलिस ने शोएब का पोस्टमार्टम कराया। लेकिन इसमें भी मौत का कारण साफ नहीं हुआ है। इसलिए विसरा सुरक्षित रखा गया है। अब विसरा रिपोर्ट से ही ये साफ हो सकेगा कि उनकी मौत कैसे हुई। इलाके में चर्चा का विषय - शोएब की अचानक मौत ने उनके साथियों को गमगीन कर दिया। उधर क्षेत्र में एक ही सवाल है कि आखिर शोएब की मौत कैसे हुई? एक साथ तीनों लोग बेहोश क्यों हो गए? तमाम तरह के सवाल और चर्चाएं आम हैं और पुलिस भी इन सवालों के जवाब तलाशने में जुटी है। पुलिस के मुताबिक पीएम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। विसरा सुरक्षित किया गया। इसकी जांच से स्थिति स्पष्ट होगी।

धूमधाम से निकलेगी बाबा महाकाल पालकी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बाबा महाकाल पालकी सेवा ट्रस्ट नाथ नगरी बरेली धाम के तत्वावधान में निकलने वाली पालकी यात्रा के लिये रविवार, को रामानुज दयाल सरस्वती शिशु में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई । प्रेसवार्ता में ट्रस्ट के जिसमें अध्यक्ष ब्रजवासी लाल अग्रवाल व महामंत्री अनुराग अग्रवाल ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाबा महाकाल नगर भ्रमण के लिये दिन सोमवार सावन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी को मध्याह्न 4:00 बजे से मन्दिर सेठ गिरधारी लाल, श्यामगंज, बरेली धाम से भगवान महाकाल चाँदी की पालकी पर आरूढ़ होकर बारह ज्योतिर्लिंग सहित पूर्ण वैभव एवं आयुध के साथ नगर भ्रमण पर निकलेंगे। इस यात्रा में काशी के कोतवाल भगवान कालभैरव नाथ, माँ अन्नपूर्णा रथ पर सवार होकर अपने भक्तों को दर्शन देंगे। प्रमोद रघुवंशी ने जानकारी दी। कि यात्रा अपने पूर्व निर्धारित मार्गों पर श्यामगंज - साहू गोपीनाथ - मठ की चोकी - शिवाजी मार्ग - बांस मंडी - सिकलापुर - रोडवेज - चोकी चौराहा - संजय कम्युनिटी हाल काली बाड़ी - श्यामगंज मन्दिर पर विश्राम होगी साथ ही, पटेल चौक से बरेली कॉलेज गेट तक सुंदर सुंदर झाँकियों का आयोजन किया जाएगा। प्रेस वार्ता में मुकुल अग्रवाल, पंकज दत्त, प्रसून सिंह, अमित भारद्वाज, अमित मिश्रा उपस्थित रहे।

घर में सो रही युवती और खेत में काम कर रहे किसान को सांप ने डसा, जिला अस्पताल में भर्ती

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बारिश के मौसम में सांपों का खतरा बढ़ने लगा है। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सांप के डसने की दो घटनाएं सामने आई हैं। हाफिजगंज में घर के अंदर सो रही युवती को सांप ने डस लिया, जबकि मीरगंज में धान के खेत में घास साफ कर रहे किसान को सांप ने अपना शिकार बनाया। दोनों की हालत बिगड़ने पर इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। आधी रात घर में सो रही रुचि को सांप ने डसा-पहली घटना हाफिजगंज थाना क्षेत्र के गांव बीसी रमपुरा की है। शनिवार रात करीब एक बजे 18 वर्षीय रुचि घर में सो रही थी। इसी दौरान अचानक एक सांप ने उसके हाथ में डस लिया। तेज दर्द होने पर रुचि की चीख निकल गई। आवाज सुनकर परिवार के लोग जागे तो घटना की जानकारी हुई। परिजन आनन-फानन में रुचि को हाफिजगंज के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। युवती को जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है। धान के खेत में किसान कल्लू राम को सांप ने बनाया शिकार-दूसरी घटना मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव गुगई में रविवार सुबह हुई। गांव निवासी 45 वर्षीय कल्लू राम पुत्र डोरी लाल अपने खेत में धान की फसल के बीच उगी घास साफ कर रहे थे। इसी दौरान खेत में मौजूद सांप ने उनके हाथ में डस लिया। सांप के डसते ही किसान घबरा गए, लेकिन किसी तरह खेत से बाहर निकले और परिजनों को इसकी जानकारी दी। परिवार के लोग तत्काल उन्हें मीरगंज के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

नवाबगंज में कांवड़ यात्रियों का पुष्प-मालाओं से भव्य स्वागत प्रतिनिधियों ने कांवरियों को कराया भोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। नवाबगंज स्थित कांवड़ विलेज में रविवार को कांवड़ यात्रियों के स्वागत-सत्कार का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार और विधायक डॉ. एमपी आर्य की मौजूदगी में कांवड़ यात्रियों का पुष्प एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया और उनका कुशलक्षेम जाना। सांसद ने कांवड़ यात्रियों को सम्मानपूर्वक भोजन कराया। वहीं, कांवड़ विलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए श्रद्धालुओं में उत्साह और आध्यात्मिक माहौल बना रहा। सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने कहा कि जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुचारू और व्यवस्थित बनाने के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। विधायक डॉ. एमपी आर्य ने भी व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान सांसद और विधायक ने कांवड़ विलेज में पेयजल, भोजन, स्वच्छता, विश्राम, चिकित्सा और सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को व्यवस्थाएं लगातार दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। कांवड़ यात्रियों ने बेहतर व्यवस्थाओं और स्वागत-सत्कार के लिए जिला प्रशासन का आभार जताया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी नगर अविनाश त्रिपाठी, एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा, एसडीएम नवाबगंज सचिन यादव सहित संबंधित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

2027 की तैयारी में कांग्रेस का 'संगठन सृजन अभियान तेज, अजय शुक्ला को शाहजहांपुर और पारस शुक्ला को पीलीभीत की जिम्मेदारी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए 'संगठन सृजन अभियान' शुरू कर दिया है। अभियान के तहत विभिन्न जिलों में ऑब्जर्वर एवं कोऑर्डिनेटर नियुक्त किए जा रहे हैं। इसी क्रम में निवर्तमान महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अजय शुक्ला को शाहजहांपुर संगठन सृजन अभियान का ऑब्जर्वर/कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। वहीं उत्तर प्रदेश पश्चिम युवा कांग्रेस अध्यक्ष पारस शुक्ला को पीलीभीत जिला एवं महानगर कांग्रेस संगठन सृजन अभियान का समन्वयक बनाया गया है। नियुक्तियों के बाद कांग्रेस संगठन में नई सक्रियता देखने को मिल रही है। अभियान का उद्देश्य विधानसभा, ब्लॉक, मंडल और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत कर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना और जनता से सीधा संवाद बढ़ाना है। अजय शुक्ला ने नियुक्ति पर कांग्रेस के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि शाहजहांपुर में वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा। वहीं पारस शुक्ला ने पीलीभीत की जिम्मेदारी मिलने पर राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुराने एवं अनुभवी कार्यकर्ताओं के साथ युवाओं को जोड़कर संगठन को मजबूत किया जाएगा। जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच सक्रिय रहेंगे। दोनों नेताओं ने कहा कि 'संगठन मजबूत, कार्यकर्ता मजबूत और हर बूथ तक कांग्रेस की विचारधारा' के लक्ष्य के साथ संगठन सृजन अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा और विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जाएगा।

चंद्रलोक अस्पताल में हुई मरीज की मौत, डॉक्टर पर मुकदमा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। पैर के संक्रमण का इलाज कराने पहुंचे एक मरीज की मौत के बाद निजी अस्पताल की इलाज व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। पीलीभीत बाईपास स्थित चंद्रलोक अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि करीब 16 दिनों के भीतर मरीज के पैर के तीन ऑपरेशन किए गए, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। बाद में हालत बिगड़ने पर उसे दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में मृतक के भाई की तहरीर पर बारादरी पुलिस ने चंद्रलोक अस्पताल के डॉक्टर डॉ. हिमांशु अग्रवाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, डॉक्टर ने इलाज में किसी भी तरह की लापरवाही से इनकार किया है।

तीन ऑपरेशन के बाद मरीज की मौत, चंद्रलोक अस्पताल के डॉक्टर पर मुकदमा

पीलीभीत बाईपास स्थित चंद्रलोक अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि करीब 16 दिनों के भीतर मरीज के पैर के तीन ऑपरेशन किए गए, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। बाद में हालत बिगड़ने पर उसे दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में मृतक के भाई की तहरीर पर बारादरी पुलिस ने चंद्रलोक अस्पताल के डॉक्टर डॉ. हिमांशु अग्रवाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, डॉक्टर ने इलाज में किसी भी तरह की लापरवाही से इनकार किया है। जानकारी के मुताबिक, इज्जतनगर क्षेत्र की आशुतोष सिटी निवासी अनूप कुमार डायबिटीज से पीड़ित थे। उनके पैर में संक्रमण होने के बाद परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए पीलीभीत बाईपास स्थित चंद्रलोक अस्पताल में भर्ती कराया था। परिजनों के अनुसार, अनूप को 30 मई को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उनके पैर के ऑपरेशन किए। परिजनों का दावा है कि अस्पताल में 1 जून, 6 जून और 14 जून को अनूप के पैर के तीन ऑपरेशन किए गए। परिवार का आरोप है कि इतने उपचार के बावजूद मरीज की हालत में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ और बाद में उसकी स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई।

मृतक के भाई अरुण कुमार ने अस्पताल के इलाज को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि मरीज के पैर में संक्रमण की समस्या के इलाज के दौरान लगातार ऑपरेशन किए गए, लेकिन उसकी हालत सुधरने के बजाय बिगड़ती गई। परिजनों का कहना है कि उन्हें उम्मीद थी कि उपचार के बाद अनूप की स्थिति बेहतर होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद अस्पताल में मरीज की भर्ती और डिस्चार्ज से संबंधित रिकॉर्ड को लेकर भी परिवार ने सवाल उठाए।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने एक पेड़ शहीद के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण, हिंदू-मुस्लिम एकता का दिया संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंहरघुवंशी/ गंज बासौदा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक व राष्ट्रीय कार्य कारिणी सदस्य एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के अखिल भारतीय मार्गदर्शक गुरूदेव डा इन्द्रेश कुमार के दिशा-निर्देश पर देश की आजादी के अमर शहीदों को याद करते हुए मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा एक पेड़ शहीद के नाम अभियान के तहत भव्य पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य काकोरी कांड एवं देश की आजादी के शहीदों की शहादत को याद करना और देश में हिंदू-मुस्लिम राष्ट्रीय एकता का संदेश देना था। गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने कहा कि 9 अगस्त 1925 को हुआ काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक है। इस क्रांति में हिंदू और मुस्लिम क्रांतिकारियों ने कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी और ठाकुर रोशन सिंह ने धर्म, जाति से ऊपर उठकर मां भारती की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। वरिष्ठ शिक्षाविद समीर याज्ञनिक , भागमल बमन्या ने कहा आजादी की लड़ाई किसी एक धर्म की नहीं थी। जब राम प्रसाद बिस्मिल ने फांसी से पहले कहा था मेरा रंग दे बसंती चोला, तो अशफाक ने जवाब दिया था सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है। यही हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल है। समाजसेवी चतर सिंह लोधी , फेरन सिंह लोधी ने स्वतंत्रता संग्राम के अन्य महारानी अवंतीतीबाई लोधी, महारानी लक्ष्मीबाई, अखंड भारत के अंतिम सम्राट बहादुर शाह जफर सहित अनेक सेनानियों को भी किया याद कार्यक्रम में महात्मा गांधी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस, मौलाना अबुल कलाम आजाद, खान अब्दुल गफ्फार खान, रानी और तात्या टोपे जैसे अमर सेनानियों को भी श्रद्धांजलि दी गई। पदाधिकारियों ने कहा कि इन सभी ने मिलकर यह साबित किया कि भारत की आजादी में हिंदू और मुस्लिम दोनों की बराबर भागीदारी रही है। दौरान मंच सैयद शादाब अली ने कहा कि शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम देश को हरा-भरा बनाएं और उनके बताए राष्ट्रीय एकता के मार्ग पर चलें। आज देश को फिर से उसी गंगा-जमुनी तहजीब की जरूरत है। कार्यक्रम मे वंदे मातरम् व भारत माता की जय के नारे लगाए। बड़ी संख्या में युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और मंच के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कानपुर में हत्या और लूट कांड: 30 मिनट में वारदात, सीमा तय करने में 60 मिनट लगे, सिर की हड्डियां तक हुई चकनाचूर

कानपुर में लूट के बाद कत्ल का मामला सामने आया है। खेत से मकान में दो नकाबपोश बदमाश कूद गए। बदमाशों ने गृहस्वामी वैन चालक मुमताज की हत्या कर दी। इसके साथ पत्नी शाहजहां को भी पीटा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। कानपुर के साढ़ के देवषढ़ गांव में शुक्रवार देर रात घर में घुसे दो नकाबपोश बदमाशों ने लूटपाट के बाद गृहस्वामी वैन चालक मुमताज (40) की कुल्हाड़ी से पीटकर हत्या कर दी। पत्नी शाहजहां को भी पीटा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। वारदात के बाद घर से गहने व बाइक लूटकर भाग निकले। पुलिस ने महिला को हैलट में भर्ती कराया। पुलिस को घर में लगे दो सीसी कैमरे की दिशा आसमान की ओर मिली। बदमाश घर के अंदर लगे कैमरे तोड़कर डीवीआर साथ ले गए। डॉग स्क्वाड मुमताज के घर से करीब एक किमी दूर वीरेंद्र के घर पर पहुंचा। पुलिस ने उनकी बहू प्रियंका से भी काफी देर तक पूछताछ की। पुलिस को वारदात में संदिग्ध गांव के एक युवक की लोकेशन सुबह 11 बजे जालौन में मिली। पुलिस से हुई बातचीत के बाद से उसका मोबाइल बंद जा रहा है। पुलिस ने बताया

कि गांव निवासी मुमताज उर्फ कल्लू बीते दो वर्षों से गांव से करीब दो किमी दूर अपने खेत में बने घर में पत्नी शाहजहां और छह माह की बच्ची के साथ रह रहे थे। वह कानपुर स्थित एक बड़ी दूध डेयरी की वैन चलाते थे। पत्नी शाहजहां ने पुलिस को बताया शुक्रवार रात खाना खाकर सभी लोग सोने जा रहे थे। रात 12:45 बजे के करीब चहारदीवारी फांदकर दो नकाबपोश बदमाश अंदर घुस आए। पति के उठते ही दोनों उन पर टूट पड़े। एक बदमाश ने कुल्हाड़ी के धार वाले हिस्से को पलट कर पति के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। दूसरे बदमाश ने उन्हें पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। महिला के मुताबिक पति को सामने पिटता देख चीखने की कोशिश की तो बदमाश ने मुंह दबाकर बच्ची का गला घोंटने की धमकी दी। बदमाश बार-बार भैंस बेचने से मिले रुपये और गहनों के बारे में पूछते रहे। ऐसे में पुलिस को किसी परिचित के वारदात को अंजाम देने की आशंका है। आखिर में बदमाशों ने घर में बक्से और अटैची में रखे गहने समेटे व पैशन बाइक की चाबी लेकर भाग निकले। जाने से पहले बदमाशों ने दंपती के दो मोबाइल भी तोड़ दिए इससे वह किसी को फोन नहीं कर सकीं। शाहजहां बच्ची को लेकर घर से करीब 500 मीटर दूर रहने वाले मन्नी सिंह के घर पहुंचीं और उन्हें वारदात की जानकारी दी। इसके बाद 1:20 बजे पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना दी गई। पुलिस ने मुमताज को सीएचसी भेजा जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। घटनास्थल पर सबसे पहले बिधनू फिर करीब एक घंटे बाद साढ़ थाने की पुलिस पहुंची। इसके बाद जेसीपी विपिन ताडा, डीसीपी साउथ दीपेंद्र चौधरी और एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके भी मौके पर पहुंचे। पुलिस को मौके पर खून से सना डंडा मिला है। दोनों टूटे मोबाइल भी जब्त किए हैं। चार माह की बच्ची सुरक्षित है। डीसीपी के अनुसार गहने और बाइक लूट की तहरीर दी है। उसी पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है।

वहीं, गहनों की कीमत के संबंध में पुलिस महिला से पूछताछ कर रही है। ग्रामीणों के मुताबिक घटना के बाद काफी देर तक बिधनू और साढ़ पुलिस लिखापढ़ी को लेकर सीमा विवाद में उलझी रही। हालांकि, बाद में साढ़ थाना पुलिस ने क्षेत्र की जिम्मेदारी ली है। लूट है कि झूठ... कैमरों के पहरे ने खड़े किए सवालों के पहाड़- कानपुर में वैन चालक मुमताज की हत्या लूट के लिए की गई या लूट दिखाने के के लिए गढ़े गए झूठ के लिए...। यह पुलिस के लिए पहेली बना हुआ है। करीब डेढ़ साल पहले मुमताज दो बार दुबई में रहकर गाड़ी चलाने का काम कर चुके थे। पैतृक घर में दो बच्चों की मौत पर घर को अपशगुन मानकर करीब डेढ़ साल पूर्व ही उन्होंने खेत पर घर बनवाकर रहना शुरू किया था। सवाल उठता है कि आखिर उन्हें किस पर और क्यों शक था कि जिस घर में एक लोहे की अलमारी तक न हो उस घर में तीन-तीन सीसी कैमरे लगाकर उन्हें अपने मोबाइल से कनेक्ट कर रखा था। मौके पर पहुंची मुमताज की छोटी बहन का भी कहना है कि घर पर भइया और भाभी ज्यादा रुपये-पैसे नहीं रखते थे। ऐसे में गहनों की लूट की तहरीर देना भी समझ से परे है। वारदात के वक्त मुमताज पर ताबड़तोड़ हमले और पत्नी शाहजहां को सिर्फ पीटा गया।

बदमाशों का डीवीआर ले जाना और मोबाइल तोड़ने से भी पुलिस को आशंका है कि बदमाश मुमताज के जानने वाले ही थे। उनका इरादा सिर्फ मुमताज की ही हत्या करना था। पत्नी शाहजहां बता रही है कि बदमाश भैंस बेचने के रुपये के विषय में पूछ रहे थे जबकि गांव के सुशील का कहना है कि मुमताज नवंबर में तीसरी बार दुबई जाने वाला था। उसने अपनी दोनों भैंस उसे बांधने के लिए दे रखी थीं। अभी कोई लेनदेन नहीं हुआ था। मुमताज ने बुधवार को पासपोर्ट बनवाने के लिए जाते वक्त रुपयों की आवश्यकता पड़ने पर लेने की बात कही थी। दूसरी ओर सर्विलांस के सूत्रों के अनुसार वारदात के वक्त आसपास के एक्टिव मोबाइल की सीडीआर चेक की जा रही है। साथ ही पति-पत्नी के टूटे मोबाइल से भी सीडीआर व कैमरों का डाटा रिकवर करने की कोशिश की जा रही है। यदि डाटा मिल गया तो दरवाजे पर लगे कैमरे आसमान की ओर करने वाले व भीतर का कैमरा तोड़ने वालों के चेहरे भी उजागर हो सकते हैं।

पारिवारिक विवाद में मिली थी धमकी, झांसी से पकड़ा गया युवक- ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि करीब एक सप्ताह पूर्व रिश्ते में मुमताज के चाचा लगने वाले रहीस का विवाद मोहल्ले के उसी युवक से हुआ था जो कि शनिवार की सुबह से गांव से लापता है। उसकी आखिरी लोकेशन जालौन के आसपास मिली है। इस विवाद में मुमताज भी चाचा की ओर से सामने आ गया था। चर्चा है कि तीन दिन पूर्व लापता युवक ने मुमताज को बीच रास्ते रोककर देख लेने की धमकी दी थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार शनिवार को सात लोगों को उठाया गया। इसमें एक युवक वह भी वह भी है जिसने जालौन की ओर भागने वाले युवक को कपड़े बदलते देखा था। वहीं, गांव से गायब युवक को पुलिस ने देर शाम झांसी से पकड़ लिया है। सुबह डॉग स्क्वाड भी वीरेंद्र सिंह और रविशंकर के घर के बाहर घूमने के बाद गायब युवक के घर के पास भी रुका था। बदमाशों को वारदात अंजाम देने में भले ही 30 मिनट का समय लगा लेकिन पुलिस को थाने की सीमा तय करने में एक घंटे से अधिक का समय लग गया। मुमताज का घर पगडंडी के जिस ओर है वह सीमा सात किमी दूर स्थित साढ़ थाने की लगती है जबकि पगडंडी की दूसरी पट्टी तीन किलोमीटर दूर बिधनू थाने में आती है। सूचना पर सबसे पहले पहुंची भी बिधनू पुलिस ही थी। बाद में साढ़ पुलिस पहुंची। मामले की लिखापढ़ी करने के लिए दोनों थानों की पुलिस के बीच काफी देर तक सीमा विवाद होता रहा। जब एक वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तब जाकर साढ़ थाना पुलिस ने लिखापढ़ी शुरू की। इस दौरान करीब 60 मिनट का समय लग गया। डीसीपी साउथ ने सीमा विवाद मामले की भी जांच कराने की बात कही है। डीसीपी के मुताबिक यदि ऐसा हुआ है तो पुलिस पर भी कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर की हड्डियां चकनाचूर- मुमताज की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर की हडिड्यां चकनाचूर मिली हैं। अत्यधिक रक्तस्राव से कोमा में जाने से मौत की पुष्टि हुई। डॉक्टर के अनुसार सिर पर करीब सात से आठ चोटों के निशान मिले हैं। मुमताज के परिवार में हैं यह लोग- मुमताज के परिवार में मां आबिदा, बहन नसीमा, बड़े भाई कुंवरअली उनकी पत्नी रहीसा, बेटा जफर, समर, बेटी शबनम हैं। वहीं, मंझले भाई शफी अहमद पंजाब में नौकरी करते हैं। उनकी पत्नी शब्बो, बेटा दिद्दा, भूरा और बेटी छोटी हैं। पिता नबी अहमद का कई साल पहले इंतकाल हो चुका है। तीनों देवषढ़ गांव में अलग-अलग स्थान पर रहते हैं। मुमताज की सऊदी जाने की थी तैयारी- कुंवरअली ने बताया कि सऊदी से लौटने के बाद मुमताज ने अपने घर के पास ही बकरी पालन का काम शुरू किया था। उसके पास भैंस और गाय भी थीं लेकिन किन्हीं कारणों के चलते व्यापार में नुकसान हो गया। इसके चलते वह फिर से सऊदी जाने की तैयारी कर रहा था लेकिन इससे पहले उसकी हत्या कर दी गई।

संक्षिप्त समाचार

400 करोड़ की ठगी: मास्टरमाइंड जुनैद के पांच गुर्गों के खाते खंगाल रही पुलिस, सभी ने मिलकर बना रखा था सिंडिकेट

जुनैद ने एएमयू से कॉमर्स विषय में पीएचडी की थी। इसके बाद उसने साइना फाइनेंशियल एडवाइजर के नाम से दफ्तर खोला था। वह यूनिवर्सिटी के भोले-भाले कर्मचारियों और आम लोगों को साइना इन्वेस्टमेंट, साइना हॉलिडेज और सेहला फार्मा जैसी लुभावनी और फर्जी योजनाओं में पैसे निवेश करने पर भारी मुनाफे का झांसा देता था।अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के कर्मचारियों और लोगों से 400 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले आरोपी जुनैद अहमद के मामले में पुलिस अब उसके नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने में जुट गई है। शुक्रवार को अनूपशहर रोड से गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपी जुनैद से पूछताछ और तफ्तीश के आधार पर पुलिस ने उसके पांच प्रमुख सहयोगियों की तलाश तेज कर दी है।

जांच में यह खुलासा हुआ है कि जुनैद ने इसके लिए एक सिंडिकेट बना रखा था। ठगी के इस बड़े नेटवर्क में सुहेल अहमद, उकैस, दीपक कुमार, मोहम्मद बिलाल और जेबा परवीन जैसे कई सहयोगी शामिल थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि ठगी की रकम सीधे मुख्य आरोपी जुनैद के खाते में ट्रांसफर होने के बजाय इन कर्मचारियों और सहयोगियों के खातों में मंगवाई जाती थी।

जुनैद को जेल भेजा जा चुका है। अन्य पहलुओं को बारीकी से खंगाला जा रहा है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि रकम को कहां-कहां और किन संपत्तियों में निवेश किया गया है। सहयोगियों की गिरफ्तारी के बाद और भी खुलासे होने की उम्मीद है। - सर्वम सिंह, सीओ तृतीयतीन साल तक फर्जी कंपनियों के नाम पर चला खेल- एमराल्ड गुलिस्तां अपार्टमेंट, अनूपशहर रोड, निवासी जुनैद ने एएमयू से वर्ष 2019 में कॉमर्स विषय में पीएचडी की थी। इसके बाद उसने मैरिस रोड स्थित लैंडमार्क मॉल में वर्ष 2022 में साइना फाइनेंशियल एडवाइजर के नाम से दफ्तर खोला था। वह यूनिवर्सिटी के भोले-भाले कर्मचारियों और आम लोगों को साइना इन्वेस्टमेंट, साइना हॉलिडेज और सेहला फार्मा जैसी लुभावनी और फर्जी योजनाओं में पैसे निवेश करने पर भारी मुनाफे का झांसा देता था। तीन साल तक वह लोगों का विश्वास जीतकर ठगी का कारोबार चलाता रहा। वर्ष 2025 में जब निवेशकों को शक हुआ और मामले की भनक पुलिस तक पहुंची, तब जाकर इस बड़े घोटाले का पर्दाफाश हुआ।

ट्रेन से गिरकर 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत, आधार कार्ड से हुई शिनाख्त

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। रविवार को दोपहर करीब 4 बजे रबर फैक्ट्री के गेट के सामने ट्रेन से गिरकर करीब 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई।

मृतक की पहचान गया लाल पुत्र सोबरन, निवासी रामनगर, पोस्ट महोलिया, जनपद हरदोई के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, गया लाल ट्रेन से नीचे गिर गया था, जिसके बाद उसकी मौत हो गई।

सूचना मिलने पर रेलवे स्टेशन मास्टर द्वारा मेमो के माध्यम से पुलिस को जानकारी दी गई। मृतक के पास मिले आधार कार्ड के आधार पर उसकी शिनाख्त की गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महोबा की दिव्यांशी गुप्ता बनीं मिस बुंदेलखंड 2026 की विजेता, जालौन की निकिता रहीं फर्स्ट रनर-अप

झांसी। बुंदेलखंड की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने वाली प्रतिष्ठित सौंदर्य एवं प्रतिभा प्रतियोगिता मिस बुंदेलखंड 2026 का भव्य आयोजन झांसी में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में महोबा की दिव्यांशी गुप्ता ने मिस बुंदेलखंड 2026 का खिताब अपने नाम किया, जबकि जालौन की निकिता फर्स्ट रनर-अप रहीं। एसके इवेंट कंपनी एंड फिल्म प्रोडक्शन हाउस एवं एसके अकैडमी ऑफ आर्ट सोसाइटी के बैनर तले एक्टर आनन्द कुमार सक्सेना के मुख्य आतिथ्य एवं एक्टर एड. अजय निगम की अध्यक्षता में आयोजित इस भव्य आयोजन का उद्देश्य बुंदेलखंड की प्रतिभाशाली युवतियों एवं नए कलाकारों को एक बेहतर मंच प्रदान कर उन्हें मॉडलिंग, अभिनय एवं मनोरंजन के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के डायरेक्टर, एक्टर एवं ऑर्गेनाइजर समीर खान के नेतृत्व में मिस बुंदेलखंड का यह मंच पिछले लगभग 15 वर्षों से बुंदेलखंड की प्रतिभाओं को अपनी पहचान बनाने का अवसर प्रदान कर रहा है। मिस बुंदेलखंड 2026 प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की प्रतिभा एवं व्यक्तित्व के साथ साथ ऑनलाइन वोटिंग और सोशल मीडिया पर मिले जनसमर्थन के फलस्वरूप महोबा की दिव्यांशी गुप्ता और जालौन की निकिता सबसे आगे रहीं। प्रतियोगिता के दौरान दिव्यांशी और निकिता ने अपने आत्मविश्वास, प्रतिभा, व्यक्तित्व एवं प्रभावशाली प्रदर्शन के फलस्वरूप अंतत: मिस बुंदेलखंड 2026 की प्रथम विजेता का खिताब हासिल किया। विजेता बनने पर महोबा की दिव्यांशी गुप्ता और जालौन की निकिता को मिस बुंदेलखंड 2026 का ताज, ट्रॉफी एवं सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। दिव्यांशी का ताजपोशी समारोह स्पेशल गेस्ट सीनियर मिस इंडिया 2025 मिस गजाला खान द्वारा किया गया। वहीं जालौन की निकिता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फर्स्ट रनर-अप का स्थान प्राप्त किया। निकिता ने कहा कि अब वह आगे बढ़ती रहेंगे और अगर उन्हें बॉलीवुड में चांस दिया गया तो वह जरूर अपनी किस्मत को आजमाना चाहेंगे। इस उपलब्धि के बाद दिव्यांशी गुप्ता ने कहा कि यह जीत उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता, परिवार, शुभचिंतकों को दिया । आयोजक समीर खान ने कहा कि मिस बुंदेलखंड को केवल एक सौंदर्य प्रतियोगिता के रूप में नहीं, बल्कि बुंदेलखंड की प्रतिभाओं को पहचान और अवसर देने वाले मंच के रूप में विकसित किया गया ताकि स्थानीय कलाकारों और प्रतिभाशाली युवाओं को बड़े मंच से जोड़ा जा सके । मिस बुंदेलखंड 2026 के ब्रांड एंबेसडर बॉलीवुड अभिनेता राहुल राय का नाम इस आयोजन से जुड़ना प्रतियोगिता के लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर एक्टर काजल कुशवाहा, एक्टर अनुपमा सक्सेना, खान, रफी मंसूरी, सुनील परिहार सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं कलाकार उपस्थित रहे।

जिस रंजिश से शुरू हुई थी कानूनी लड़ाई, वह जानलेवा दुश्मनी तक पहुंची; ठेकेदार की हत्या की पूरी कहानी

गोरखपुर में ब्रह्मभोज में ठेकेदार पर खंती से हमला किया। इलाज के बहाने ले जाते समय घेरकर तलवार से काट डाला। वारदात के बाद एक आरोपी ने थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। आदेश चौधरी हत्याकांड की रंजिश में वारदात की आशंका जताई जा रही है। सात के खिलाफ नामजद प्राथमिकी लिखी गई है। नौ लोग हिरासत में लिए गए हैं।गोरखपुर में बिजली ठेकेदार शिवकुमार त्रिपाठी की हत्या के पीछे करीब पांच साल पहले क्रिकेट खेलने को लेकर शुरू हुई रंजिश को माना जा रहा है। इस रंजिश में एक युवक की हत्या दो साल पहले हो चुकी है। मामले में कानूनी लड़ाई चल रही है।

पांच अगस्त 2024 को दीपू चौधरी के बेटे आदेश चौधरी (24) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस शाम आदेश के चाचा विनोद चौधरी बारीपुर चौराहे पर गए थे। आरोप है कि वहां गांव के आठ-दस युवकों ने किसी बात को लेकर उनकी पिटाई कर दी। आरोप है कि शिकायत लेकर वह थाना पहुंचे लेकिन पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज नहीं की। उसी शाम करीब सात बजे आदेश गांव में संतोष तिवारी के घर हरिकीर्तन के भंडारे में गया था।आरोप है कि विनोद के थाने जाने की जानकारी मिलने के बाद हमलावरों ने आदेश पर हॉकी-डंडे से हमला कर दिया था। इसी बीच एक आरोपी ने तमंचे से कई गोलियां चला दीं, जिससे उसकी मौत हो गई। तीन भाइयों में सबसे बड़ा आदेश आर्किटेक्ट की पढ़ाई करता था। आदेश के भाइयों अभिषेक और विवेक का कहना था कि आदेश का किसी से कोई विवाद नहीं था। शिवकुमार के शरीर पर घाव के कई निशान, हाथ कटकर हो गया था अलग- बिजली ठेकेदार शिवकुमार की हत्या कितनी बेरहमी से की गई, इसका अंदाजा उनके शव पर मिले घावों से लगाया जा सकता है। हमलावरों ने धारदार हथियार से वार कर उनका एक हाथ काट दिया। गर्दन और सिर का आधा हिस्सा भी कटकर अलग हो गया था। पेट, पीठ समेत शरीर के कई हिस्सों पर गहरे घाव के निशान मिले हैं। शव की हालत देखकर मौके पर मौजूद लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। एसपी दक्षिणी के अनुसार, शरीर पर कई गंभीर चोटें हैं। घटना के दौरान राहुल नाम के एक युवक के हाथ में भी गहरे घाव मिले हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

शिव कुमार को तीन बार बुलाने गया था आरोपी- अहिरौली खुर्द। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि शिवकुमार त्रिपाठी को बुलाने के लिए आरोपी तीन बार उनके घर गया था। पुलिस के मुताबिक, छेदी का बेटा बिंद निवास शिवकुमार को ब्रह्मभोज में शामिल होने के लिए बुलाने पहुंचा था।

तीसरी बार बुलाने पर शिवकुमार उसके साथ चले गए। वहां खाना खाने के दौरान राहुल नाम के युवक से उनका विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर राहुल ने खंती से शिवकुमार पर हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी का भाई उन्हें उपचार कराने के बहाने ई-रिक्शे में बैठाकर ले जाने लगा। आरोप है कि रास्ते में अन्य आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला कर उनकी हत्या कर दी।

ब्रह्मभोज में गए शिवकुमार फिर नहीं लौटे- शहर के गांधीनगर स्थित मकान से शनिवार को शिवकुमार त्रिपाठी ब्रह्मभोज में शामिल होने के लिए निकले थे। हत्या की जानकारी घर पहुंची तो परिवार में चीख-पुकार मच गई। शिवकुमार के तीन भाई हैं। बेटी की शादी हो चुकी है। पिता की हत्या के बाद बेटे के सामने परिवार की जिम्मेदारी भी आ गई है। मुकदमे की पीड़ा के बाद अब खोने का सदमा भी- शिवकुमार की मौत ने परिवार को उस मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहां एक तरफ पुराने मुकदमे की पीड़ा है तो दूसरी तरफ अपनों के बीच हुई हत्या का सदमा। ग्रामीणों का कहना था कि एकलौते बेटे ने पिता को खो दिया और पत्नी के सामने जीवन का सहारा छिन गया। घर में आने-जाने वालों की भीड़ है लेकिन परिवार को संभालने के लिए किसी के पास शब्द नहीं हैं।

यूपी में ठेकेदार की हत्या- गोरखपुर के सिकरीगंज थाना क्षेत्र के अहिरौली खुर्द गांव में शनिवार शाम बिजली विभाग के ठेकेदार शिव कुमार त्रिपाठी (52) की हत्या कर दी गई। वह गांव में ब्रह्मभोज में शामिल होकर भोजन कर रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान पीठ में खंती से हमला किया गया। आरोप है कि घायल शिव कुमार को इलाज के बहाने टेंपो से ले जाया गया। ढेबरा-हाता मार्ग पर हनुमान प्रसाद इंटर कॉलेज के पास आरोपियों ने टेंपो को रोक लिया। शिव कुमार जान बचाकर नारायणपुर की ओर भागे लेकिन हमलावरों ने करीब 500 मीटर दूर खेत में घेरकर तलवार से कई वार कर हत्या कर दी।

घटना की सूचना पर एसपी दक्षिणी दिनेश कुमार पुरी, सीओ खजनी दीपांशी राठौर समेत आसपास के आठ थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए। शव उठाने को लेकर ग्रामीणों ने पुलिस का विरोध भी किया। पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया, जिसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। तनाव को देखते हुए अहिरौली-बारीपुर चौराहे पर पुलिस बल तैनात किया गया। घटना के बाद चौराहे की दुकानें बंद हो गईं।

मूल रूप से अहिरौली गांव निवासी शिव कुमार परिवार के साथ गोरखपुर शहर के गांधीनगर में रहते थे। वह बिजली विभाग से जुड़े ठेकेदार थे। उनके बेटे आदित्य त्रिपाठी गोरखपुर सिविल कोर्ट में अधिवक्ता हैं। छेदी चौधरी के घर आयोजित ब्रह्मभोज में शामिल होने के लिए शिव कुमार गांव आए थे और लुंगी व टी-शर्ट पहनकर वहां भोजन करने बैठे थे। ग्रामीणों के अनुसार, छेदी चौधरी के पड़ोसी और पटीदार आदेश चौधरी की करीब दो साल पहले गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में शिव कुमार के परिवार के सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि आदेश चौधरी हत्याकांड के बाद से दोनों पक्षों में रंजिश चली आ रही थी। इसी विवाद के चलते शिव कुमार की हत्या किए जाने की आशंका है। हालांकि हत्या की वास्तविक वजह और वारदात में शामिल अन्य लोगों की भूमिका पुलिस जांच के बाद स्पष्ट होगी।इधर, पुलिस ने शिव कुमार के बेटे की तहरीर पर सात के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इसमें से चार नामजद और एक महिला समेत नौ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

शराब का जाम बना मौत की वजह, मजदूर की गला रेतकर हत्या

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ कोतवाली क्षेत्र के भुजपुरा स्थित ठाकुर वाली गली में शराब पीने के दौरान हुए विवाद में 40 वर्षीय मजदूर जावेद की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी गई। परिजनों ने उसके साथी ई-रिक्शा चालक फरजान पर हत्या का आरोप लगाया है। बताया गया कि जावेद और फरजान एक साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर फरजान ने धारदार हथियार से जावेद के गले पर वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल जावेद को परिजन और स्थानीय लोग जेएन मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जावेद के परिवार में पत्नी और चार बच्चे हैं। सूचना पर कोतवाली थाना प्रभारी और सीओ प्रथम संजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीओ सिटी संजीव कुमार ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है। घटना की जानकारी मिलने पर सपा महानगर अध्यक्ष अब्दुल हमीद घोसी समेत कई स्थानीय नेता भी मौके पर पहुंचे और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

जिस घर में गूंजी थीं शहनाइयां, 14 दिन बाद दुल्हन के लापता होने से मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ खैर-टेंटीगांव रोड स्थित एक गांव में शादी के महज 14 दिन बाद विवाहिता के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने से परिवार में हड़कंप मच गया। पति ने एक युवक पर विवाहिता को कार में बैठाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए उसके सहयोगी के खिलाफ भी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पति के अनुसार उसकी शादी 22 जुलाई को इगलास क्षेत्र के एक गांव की युवती से हुई थी। आरोप है कि पांच अगस्त की रात करीब एक बजे विवाहिता बिना बताए मनोज नामक युवक के साथ कार में बैठकर चली गई। पति का आरोप है कि वह अपने साथ सोने-चांदी के आभूषण, 12 हजार रुपये और मोबाइल भी ले गई। तहरीर में मनोज की मदद इगलास क्षेत्र के अनुपिया गांव निवासी विष्णु द्वारा किए जाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि विवाहिता की बरामदगी के लिए टीम गठित की गई है। मामले की जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कीलों पर लेटकर भोले की भक्ति में निकला भक्त

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ सावन के बीच अलीगढ़ में भगवान शिव के प्रति भक्ति का अनोखा दृश्य देखने को मिला। संजय कुमार नामक कांवड़िया रामघाट से जारोठी के लिए कीला डाक कांवड़ लेकर निकला। वह कीलों पर लेटकर कांवड़ यात्रा कर रहा है। बताया गया कि जारोठी स्थित पंचमुखी महादेव मंदिर में इस तरह की कीला डाक कांवड़ चढ़ाई जाती है। संजय कुमार का यह अनोखा कांवड़ यात्रा का तरीका राहगीरों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। कीलों पर लेटकर कठिन यात्रा करने के बावजूद भक्त में भगवान शिव के प्रति गहरी आस्था और उत्साह नजर आया।

रेलवे कर्मचारियों को बड़ी राहत, पति-पत्नी को एक ही स्टेशन पर पोस्टिंग की प्राथमिकता

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ रेलवे में कार्यरत पति-पत्नी अब एक ही स्थान पर तैनात हो सकेंगे। रेलवे बोर्ड ने पति-पत्नी की एक स्थान पर पोस्टिंग को लेकर नई गाइडलाइंस जारी की हैं। इससे अलग-अलग मंडलों और जोन में तैनात हजारों रेलकर्मियों को राहत मिलने की उम्मीद है। नई व्यवस्था के तहत नॉन-गजटेड कर्मचारियों के पति-पत्नी को जहां संभव हो, एक ही स्टेशन पर तैनात करने को प्राथमिकता दी जाएगी। हालांकि, दोनों एक ही स्टेशन पर काम कर सकते हैं, लेकिन एक-दूसरे के अधीनस्थ नहीं होंगे। रेलवे बोर्ड के उप निदेशक संजय कुमार ने पांच अगस्त को जारी निर्देशों में कहा है कि यदि पति-पत्नी एक ही यूनिट में कार्यरत हैं तो उपलब्ध पद के अनुसार उन्हें एक ही स्थान पर तैनाती देने का प्रयास किया जाएगा।

थाना कादरचौक पुलिस नें गाली-गलौच व मारपीट करने वाले 04 अभियुक्तगण को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ एसएसपी अंकिता शर्मा के निर्देशानुसार जनपद में चलाये जा रहे वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान के अन्तर्गत आज थाना कादरचौक पुलिस द्वारा

मु0अ0सं0 236/26 धारा 115(2)/ 352/125 BNS मे वाछिंत 04 अभियुक्तगण 1. अनिल पुत्र राजराम निवासी गढिया गंगवार थाना कादरचौक बदायूँ 2.मनीराम पुत्र निरोत्तम 3.सतेन्द्र पुत्र शिवदयाल 4. नीरज पुत्र सोहनपाल निवासीगण ग्राम कोआ नगला थाना कादरचौक जनपद बदायूँ को मय 01 अदद तमंचा 315 बोर व 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर व 03 अदद नाजायज चाकू सहित ग्राम भदरौल से ग्राम पचौरी नगला मार्ग पर बन्द पडी मैन्था फैक्टरी के पीछे से गिरफ्तार किया गया ।

वकील को टक्कर मारने वाले कार चालक पर रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ थाना क्वार्सी क्षेत्र में छह अगस्त की सुबह पार्क न्यू अपार्टमेंट रेजिडेंसी के पास तेज रफ्तार कार का विरोध करना एक अधिवक्ता को भारी पड़ गया। आरोप है कि कार चालक ने पहले उनकी एक्टिवा में टक्कर मारी और फिर गाली-गलौज करते हुए उन्हें वाहन समेत कुछ दूर तक घसीट दिया। घटना में अधिवक्ता बाल-बाल बच गए। अधिवक्ता कुमार पल्लव अग्निहोत्री के अनुसार, वह ऑफिस से जापान हाउस होते हुए अपने घर लौट रहे थे। अपार्टमेंट के पास एक कार तेज रफ्तार से निकली। उन्होंने इसका विरोध किया और कुछ आगे जाकर अपनी एक्टिवा रोक दी। आरोप है कि कार चालक ने वाहन पीछे करते हुए उनकी एक्टिवा को टक्कर मार दी। पीड़ित का आरोप है कि चालक ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से हमला किया और उन्हें एक्टिवा समेत तेजी से घसीटता हुआ ले गया। आसपास के लोगों की मदद से वह थाने पहुंचे और पुलिस को तहरीर दी। घटना को लेकर अधिवक्ताओं में रोष है। मामले में दो दिन बाद अज्ञात कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। सीओ सिविल लाइंस सर्वम सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार और चालक की पहचान की जा रही है।

आठ साल से फरार स्थायी वारंटी दतिया से गिरफ्तार, न्यायालय ने भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ करैरा। थाना करैरा पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थायी गिरफ्तारी वारंटी को दतिया से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। आरोपी के विरुद्ध वर्ष 2020 से प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन था और वह करीब आठ साल से फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा जिले में स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटों की तामीली के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आर.डी. प्रजापति एवं एसडीओपी पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में करैरा पुलिस ने कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार, थाना करैरा के प्रकरण क्रमांक आरसीटी 62/20, धारा 436, 34 भादवि में स्थायी गिरफ्तारी वारंटी रविन्द्र पुत्र माखनलाल दुवे, उम्र 38 वर्ष, निवासी मिश्रा कॉलोनी, थाना कोतवाली, जिला शिवपुरी लंबे समय से फरार चल रहा था।

पुलिस टीम को वारंटी के दतिया में होने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने 8 अगस्त 2026 को रेलवे स्टेशन के पास दतिया से रविन्द्र दुवे को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को माननीय न्यायालय जेएमएफसी करैरा के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।इनकी रही सराहनीय भूमिका- कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद सिंह छावई, उनि चेतन शर्मा (चौकी प्रभारी सुनारी), प्रधान आरक्षक डैनी कुमार, प्रधान आरक्षक रमाशंकर माझी, आरक्षक राधेश्याम जादौन, आरक्षक विकास दुवे एवं आरक्षक गोविंद रावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

डीएम एसएसपी नें कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत देर रात कछला गंगा घाट का किया गया स्थलीय निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ श्रावण मास की कांवड़ यात्रा-2026 के दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर लगातार व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी अवनीश राय व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने देर रात कछला गंगा घाट का स्थलीय निरीक्षण कर घाट पर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान घाट की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, आवागमन एवं श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं को देखा गया तथा संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि कछला गंगा घाट सहित कांवड़ यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी तरह सुचारु रखी जाएं। घाट पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को लगातार बेहतर बनाए रखने के साथ ही श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए आवश्यक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। किसी भी स्थिति में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उनकी यात्रा सुरक्षित एवं सुगम रहे, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। प्रशासन की ओर से कांवड़ यात्रा के दौरान कछला गंगा घाट एवं यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित किसी भी समस्या की सूचना मिलते ही उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत विदिशा में निकली भव्य तिरंगा रैली, देशभक्ति के रंग में रंगा शहर

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंहरघुवंशी/ विदिशा- हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार को विदिशा जिला मुख्यालय पर भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों, गणमान्य नागरिकों, स्कूली विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर निकले प्रतिभागियों ने देशभक्ति के नारों के साथ नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना का संदेश दिया। तिरंगा रैली का शुभारंभ खेल स्टेडियम से हुआ। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई नीमताल पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। रैली के दौरान पूरे मार्ग पर देशभक्ति का माहौल नजर आया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और युवाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर सहभागिता की तथा भारत माता और राष्ट्रध्वज के सम्मान में नारे लगाए।

रैली के समापन स्थल पर विदिशा विधायक मुकेश टंडन ने महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रति नागरिकों की एकजुटता, राष्ट्रभक्ति और गौरव की अभिव्यक्ति है। राष्ट्रीय ध्वज हमारे स्वतंत्रता संग्राम, देश के गौरव और राष्ट्र की एकता का प्रतीक है। उन्होंने नागरिकों से अभियान में सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने घरों पर तिरंगा फहराने का आह्वान किया। रैली में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ओपी सनोडिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारी और प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे शामिल हुए। हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से जिले में नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गौरव की भावना से जोड़ने के साथ ही स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक घर तक तिरंगे की पहुंच सुनिश्चित करने का संदेश दिया जा रहा है। तिरंगा रैली ने शहरवासियों में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को और मजबूत किया।

From tricolor dupattas to accessories, how to style them on August 15th

The tricolor dupatta can be worn with a white kurta, plain suit, Indo-Western dress, or neutral-colored outfits. If the dupatta seems too bold, a subtle touch of saffron, white, and green can be added through a tricolor stole, choose tricolor-inspired fashion respect of the actual national flag. your Independence Day outfit can style. Small fashion elements, stoles, bags, bracelets, earrings, and overall look. However, when important to keep in mind that the flag is maintained. Therefore, using and accessories can be a better college, a school event, a family get- for August 15th, a tricolor dupatta your simple outfit. It can be easily denim, or an Indo-Western outfit. tricolor colors don't need to be even a small tricolor element can how to pair a tricolor dupatta and Independence Day look is both Dupatta with a White Kurta - If you on August 15th, pair a tricolor- and pants or a white salwar suit. A border on a white base can look and minimal footwear. The beauty for office, college, and Independence Kurti - If wearing a full scarf isn't bracelet, earrings, or bag. It's best to while respecting the dignity and Incorporating the tricolor colors into be a beautiful blend of patriotism and especially tricolor dupattas, tricolor hair accessories, can enhance the wearing tricolor-related fashion, it's dignity and respect of the national tricolor-inspired colors in clothing option. If you're heading to work, together, or a patriotic-themed party can instantly add a festive touch to styled with a white kurta, a plain suit, The most important thing is that the overdone. With the right balance, enhance the entire look. Let's learn accessories so that your stylish and dignified. Tricolor want the most simple and elegant look inspired dupatta with a white kurta dupatta with a saffron and green stunning. Pair it with small earrings of this look is that it can easily work Day events. Tricolor Stole with Plain your thing, a tricolor stole can be a better option. Drape it loosely around your neck or drape it over one shoulder. It will look stylish with neutral outfits like blue, white, beige, or black. Be careful not to tie the stole too tightly or uncomfortably. Make your look special with jewelry in tricolor colors - Instead of incorporating the tricolor colors throughout your outfit, adding a tricolor touch solely through accessories is a good option. You can wear: a saffron-green bracelet; a necklace with white and green beads; tricolor earrings; colorful hair clips; a small tricolor badge; If the outfit is already printed, keep accessories minimal. Tricolor Touch with Indo-Western Look - It's not necessary to wear completely traditional clothes on August 15th. A smart Indo-Western look can be created with a white shirt, denim, and a tricolor stole. Women can pair a white top with a tricolor scarf and minimal jewelry. Men can also opt for small tricolor accessories with a white or neutral shirt. This look would be especially good for a college event or casual Independence Day celebration. Complete the look with a tricolor bag and footwear: If you don't want to wear a scarf, you can use colors inspired by the tricolor in your bag or footwear. For example, a green bag and saffron accessories with a white outfit can create a good contrast. However, avoid using too many of the three colors together in the entire look. Maintaining balance in fashion is crucial. Keep these things in mind when adopting the tricolor fashion: It is important to distinguish between fashion inspired by the tricolor colors and the actual image of the national flag. Avoid using the national flag as clothing, shoes, bags, or any other item that could compromise its dignity. The better option is to choose fashion inspired by saffron, white and green colours and respect the actual national flag.

70% of diabetes patients are at risk of fatty liver. Learn its causes and prevention methods.

Diabetes not only affects blood sugar, but can also impact liver health. People with type 2 diabetes and insulin resistance are especially at increased risk of excess fat accumulation in the liver. This risk can be reduced by timely weight management, diet, physical activity, and blood sugar management. The first thought that comes to mind when we hear diabetes is high blood sugar. This disease certainly increases blood glucose levels, but its effects are not limited to this. If diabetes is not addressed promptly, it can affect many other organs of the body. Numerous studies have shown that high blood sugar can increase the risk of eye, kidney, nerve, and heart problems. But did you know that diabetes patients also have a significantly higher risk of liver problems? In particular, diabetes patients have a significantly higher risk of fatty liver, a condition characterized by fat accumulation in the liver. The problem of fatty liver is already a serious health threat globally. Therefore, health experts are advising diabetic patients to continue to pay close attention to their liver health. Let's find out why this disease is increasing among diabetic patients. The risk of diabetes and MASLD: Medical reports indicate that up to 70 percent of people with type 2 diabetes may develop non-alcoholic fatty liver disease (NAFLD). Non- alcoholic fatty liver disease is now known as metabolic dysfunction-associated steatotic liver disease (MASLD). Doctors say that the biggest concern is that fatty liver often has no obvious signs in the beginning. This means that a person may be aware of diabetes, but may not realize that fat is gradually accumulating in the liver. This is why their problems worsen over time, and the disease is detected much later. Now the question is, why do people with diabetes face this problem? Why does diabetes cause fatty liver? Endocrinologist Dr. Arif Khan explains, to understand the link between diabetes and fatty liver, it is important to understand insulin resistance. In type 2 diabetes, the body's cells do not respond properly to insulin. This causes an increase in glucose in the blood. Insulin resistance not only affects blood sugar but also impacts the body's fat metabolism. When there is a metabolic disorder in the body, the process of fat accumulation in the liver can increase. This is why type 2 diabetes, obesity, belly fat, high triglycerides, and metabolic syndrome are considered major factors for fatty liver. Doctors say that the more metabolic risk factors a patient has, the greater their risk of developing liver problems. Dietary irregularities exacerbate the problem. Dr. Arif explains that dietary irregularities are also a major cause of MASLD. A high-calorie diet, lack of physical activity, and excessive consumption of sweets increase the risk of developing diabetes and worsen metabolic health. As lifestyle and dietary disorders, such as obesity, insulin resistance, abnormal blood fat, or alcohol consumption, increase in diabetic patients, the risk of fat accumulation in the liver also increases. Doctors say that it is not advisable to dismiss fatty liver as a minor problem. Fat accumulation in the liver can lead to fibrosis, or scar tissue, in the long term. Severe fibrosis can progress to cirrhosis, which can even lead to liver cancer. What to do to prevent fatty liver? Doctors say that to reduce the risk of fatty liver, diabetic patients should focus on maintaining weight control, eating well, and engaging in physical activity. In overweight or obese individuals, gradual weight loss can reduce liver fat accumulation. A weight loss of approximately 3-5 percent can lead to a reduction in liver fat. Diabetics should reduce their intake of high-calorie, sweetened beverages, and high-sugar foods. Include foods with a low glycemic index, such as green vegetables, whole grains, and some fruits. Regular exercise is crucial. Physical activity can benefit fatty liver. Most importantly, keep your blood sugar levels under control. Increased blood sugar can lead to a rapid increase in liver problems.

Priyanka Chopra will be seen in the science fiction Hollywood film "Bluefly." Find out when shooting will begin.

Desi girl Priyanka Chopra has been continuously working in Hollywood films. Now, she will be seen in the fame director's next "Predators" film, "Bluefly." Find out when shooting will begin. Priyanka Chopra Jonas and winning actor and director Russell Crowe will be seen together in "Bluefly," a science-fiction thriller film directed by Nimrod Antal, action director of the Hollywood film "Predators." When will shooting begin? According to media reports, "Bluefly" will be shot in Australia's Gold Coast later this year. According to "Deadline," Lia Bauman, Guy Davis, RuthAnn Frigerio, Brian Kavanagh-Jones, Jason Kringstein, Katie Leary, Scott Levenson, and James Norbury are associated with the film as executive producers. What is the story of the film? The film tells the story of a UN translator living in Congo. She is on a secret mission to find a crashed plane. She faces many difficulties during this mission. Finally, when the lead character reaches the plane, she realizes that it should never have been brought back. Priyanka Chopra will be seen in these films. Priyanka Chopra is also working in Hollywood and Indian films. After eight years, she will be seen in SS Rajamouli's film "Varanasi." Mahesh Babu and Prithviraj Sukumaran will also be seen in this film. The film will be a blend of mythology and science fiction. Priyanka's name is also being considered for the role of Bond girl.

Harshvardhan Rane and Sanjeeda Sheikh's relationship confirmed? Photos from Pune spark speculation; fans arouse speculation

Bollywood actors Harshvardhan Rane and Sanjeeda Sheikh's relationship has once again sparked speculation. This time, the reason is their posts. Find out what's special about the posts. Rumors of Harshvardhan Rane and Sanjeeda Sheikh's relationship have been swirling for several days. The actors have been seen together several times before. Now, their Instagram posts have once again raised many questions in fans' minds. The background of the posts sparked the discussion: Harshvardhan Rane and Sanjeeda Sheikh shared some photos on Instagram a few days ago. These photos are from a cabin at Winds Over Water in Pune. There are some similarities between their posts. The posts are of a location where they appear to be spending some quiet time. Interestingly, both photos appear to be from the same location, although there are no photos of them together. Fans speculate: Seeing these pictures of the two, fans have started discussing their relationship. Fans are also commenting on their posts about them being together. Both have worked together in films: Harshvardhan Rane and Sanjeeda Sheikh have worked together on two projects. They were seen together in the 2020 action thriller film 'Taish' (which was released on ZEE5) and the thriller film 'Kun Faya Kun'.

Why did Deepika Kakkar convert to Islam? A co-star reveals the truth

Eight years ago, TV actress Deepika Kakkar married actor Shoaib Ibrahim. She has been practicing Islam ever since. Recently, a co-actress of Deepika Kakkar revealed that marriage wasn't the reason for the actress's conversion. So, what prompted Deepika Kakkar to convert to Islam? Find out here. Until now, Deepika Kakkar's fans believed she converted to Islam to marry actor Shoaib Ibrahim. However, the actress didn't make this decision for this reason; there was a different reason behind it. In a recent interview, Deepika Kakkar's co-actress, Jayanti Bhatia, revealed about much this. Deepika Kakkar wanted to give her all to their relationship. Deepika Kakkar and Jayanti Bhatia starred together in the serial "Sasural Simar Ka." Recently, in Siddharth Kannan's podcast, Jayanti said about Deepika, "Everyone knows that Deepika gives her 100 percent in whatever she does. When she entered into a relationship with Shoaib, she wanted to give her 100 percent to that relationship as well. That's when I asked her if she had changed her religion because of marriage. Deepika Kakkar denied it." Deepika Kakkar made a big decision by visiting Ajmer Sharif - Jayanti Bhatia further says, "Deepika Kakkar was going through a difficult time and once she went to Ajmer Sharif. There she felt she wanted to do this, and that's what she did. This decision wasn't made because of marriage or anything else. It's possible that she found courage in Ajmer Sharif. Deepika felt encouraged by the prayers, so she decided she wanted to change her religion. It's entirely her own choice." What is Deepika Kakkar doing now? These days, Deepika Kakkar is quite busy in her personal life. She is raising her son, Ruhaan. She also runs a YouTube vlog channel, sharing glimpses into her life. She recently suffered from liver cancer, which was treated promptly.